INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-341 | मथुरा, बुधवार, 4 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

वृंदावन कट और अरुआ खादर से हटाए अवैध कब्जे

अवैध कब्जे को ध्वस्त करती जेसीबी।

अवैध कब्जे को ध्वस्त करने के दौरान अधिकारी लोगों से बातचीत करते हुए।

यीडा की बड़ी कार्रवाई

400 करोड़ से अधिक की जमीन कराई मुक्त

संवाददाता

यूनिक समय, मांट। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने मांट क्षेत्र में हेरिटेज सिटी और राया अर्बन सिटी की सीमा में हो रहे अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया, 400 करोड़ रुपये से अधिक की जमीन मुक्त कराने का दावा अधिकारियों ने किया है। पिछले कई दिनों से यीडा और स्थानीय प्रशासन द्वारा इसकी योजना तैयार की जा रही थी। बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे करीब कार्यवाही की शुरुआत पानीगांव यमुना पुल के नीचे यमुना की मुख्य धारा के रास्ता में करीब तीन एकड़ में विकसित की जा रही कॉलोनी से की गई।

यहां कॉलोनी की सभी बाउन्ड्री वॉल तोड़ने के बाद वृंदावन कट के समीप निर्माणाधीन शिवा ढाबे को जमींदोज कर दिया गया। इसके बाद रुद्र शिवा ढाबा के समीप काफी बड़े क्षेत्र में बनाये जा रहे एक ढाबे को भी जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया। शाम के वक्त राधा रानी मानसरोवर के समीप अरुआ खादर में निर्माणाधीन 40 फ्लैट भी नेस्तनाबूद कर दिए गए। आखिर में डांगोली पानीगांव रोड पर पंचायती गौशाला के समीप विकसित की जा रही कॉलोनी पर कार्यवाही की गई।

यूपी पुलिस अब फरियादियों को सर कहेगी

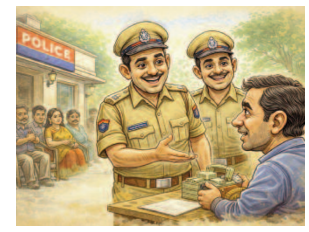

संवदेनशील और व्यावहारिकता का पाठ पढ़ेगी प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगामी दिनों में जब भी आप थाने और पुलिस चौकी जाएंगे तो पुलिस आपसे सर कहकर बोलेगी। बदले माहौल को देखकर आप शायद आश्चर्यचकित हो सकते हैं। ऐसा ही कुछ करने की पहल शुरू करने के लिए हर जिले के चुनिंदा पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग के लिए मुरादाबाद में बुलाया जाएगा। इस ट्रेनिंग का मकसद है कि थाने में आने वाले हर फरियादी से पुलिस कर्मी सर बोलेंगे और उन्हें कुर्सी पर बैठाकर पूरे सम्मान के साथ उनकी बात सुनेंगे। उत्तर प्रदेश पुलिस डीजी ट्रेनिंग राजीव सभरवाल कहते हैं कि थाने में आने वाला हर फरियादी सम्मान का हकदार है। उनके साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए। फरियादी की बात ध्यान से सुनना और उनकी समस्याओं को समझना पुलिसिंग का ही हिस्सा है। पुलिस कर्मियों को संवेदनशील व्यवहारिकता की ट्रेनिंग दी जाएगी। सभी फरियादियों को सर कहकर पुलिस कर्मी पुकारेंगे। यह ट्रेनिंग चरणबद्ध तरीके से कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि यूपी के हर जिले के चुनिंदा पुलिस कर्मियों को डॉ. बीआर आंबेडकर पुलिस अकादमी में व्यवहार और संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाया जाएगा। यह पुलिस कर्मी ट्रेनर के रूप में तैयार होकर अपने अपने जिलों में अन्य पुलिस कर्मियों के साथ ट्रेनिंग के अनुभवों साझा करेंगे। पिछले दिनों लखनऊ में आयोजित कार्यशाला के दौरान पुलिसिंग सुधार, अपराध नियंत्रण, तकनीक, साइबर और पुलिस के व्यवहार और संवेदनशीलता पर भी लंबी चर्चा हुई थी। इसके बाद डीजीपी स्तर पर निर्णय लिया गया गया है कि थाने, चौकी और अन्य कार्यालयों व विंग में तैनात पुलिस कर्मियों का व्यवहार अच्छा किया जाए। फरियादी की बात ध्यान से सुनना और उनकी समस्या को समझना भी पुलिसिंग का ही हिस्सा है।

थाने में आने वाला हर फरियादी तनाव में होता है। उनसे सम्मानजनक और सहयोगी व्यवहार उनकी हिम्मत बढ़ाएगा। इसके लिए सबसे पहले पुलिस कर्मियों के व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। दस–दस जिलों के चुनिंदा इंस्पेक्टर और सीओ को ट्रेनिंग के लिए डॉ. बीआर आंबेडकर पुलिस अकादमी में बुलाया जाएगा।

निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक: उपभोक्ता संतुष्टि और बेहतर बिजली आपूर्ति पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार की अध्यक्षता में बिजली व्यवस्था को लेकर निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपभोक्ता शिकायतों के निस्तारण, बिजली आपूर्ति की स्थिति, ग्रीष्मकालीन तैयारियों और राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा हुई। प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिए कि हेल्पडेस्क और टोल फ्री नंबर 1912 पर दर्ज सभी शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक समाधान किया जाए, ताकि उपभोक्ता पूरी तरह संतुष्ट हों। उन्होंने एक फरवरी से शहरों में लागू नई वर्टिकल व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया, जिससे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजनेस प्लान के तहत चल रहे सभी कार्य तय समय में पूरा करने, स्टोर में आवश्यक सामग्री उपलब्ध रखने और ट्रांसफार्मर फेल होने की घटनाओं को कम करने के निर्देश दिए गए।

राजस्व वसूली को लेकर लक्ष्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। बैठक के बाद प्रबंध निदेशक ने कैंट विद्युत परिसर का निरीक्षण कर शिकायतों की स्थिति का जायजा भी लिया।

नौहझील प्राथमिक विद्यालय मामला कांग्रेस ने बताया आरोप बेबुनियाद

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने नौहझील प्राथमिक विद्यालय में जाकर ग्रामीणों और स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने बताया कि प्रधानाचार्य जान मोहम्मद पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। धनगर ने बताया कि जान मोहम्मद पूर्व बीएसएफ जवान हैं और लंबे समय से विद्यालय में निष्ठापूर्वक सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग नफरत का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। धनगर ने जिला प्रशासन की कार्रवाई को जल्दबाजी भरी बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अन्याय जारी रहा तो कांग्रेस और सहयोगी संगठन जन आंदोलन करेंगे।

फायदा — सोने–चांदी की बढ़ती कीमत कर्जदारों के लिए मुफीद

बीमारी से जूझते सदस्यों की खातिर रखा जेवर गिरवी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पिछले दिनों सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों से भले सर्राफा व्यवसाय को झटका सा लगा हो, लेकिन कुछ कर्जदारों के लिए यह कीमत काफी मुफीद साबित हुई। इन लोगों ने गिरवी रखे सोने और चांदी के जेवरों को बढ़ती कीमतों के बीच बेचकर अपना कर्ज चुका दिया। जिले के शहरी, कस्बा और ग्रामीण क्षेत्रों के कई परिवारों के सदस्य बड़ी बीमारियों की चपेट में आ गए थे। उनका इलाज दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा और गुरुग्राम के बड़े हॉस्पीटलों में चल रहा था। इलाज पर लाखों रुपये खर्च होते–होते अधिकांश परिवार आर्थिक तंगी से जूझने लगे तो इनमें सें कई लोगों ने बैंक और साहूकारों के यहां गिरवी रखे सोने और चांदी के जेवरों को छुड़ाया। फिर ऊंची कीमतों पर बेचकर अपना कर्ज से पिंड छुड़ाया। बताते चलें कि ऐसे लोगों ने करीब दो–तीन साल पहले तक सोना करीब 50 से 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी लगभग 70 हजार रुपये प्रति किलो के भाव पर गिरवी रखी थी, उन्हें बहुत अधिक फायदा हुआ है। एक सर्राफा व्यवसायी की मानें तो यदि आने वाले दिनों में कीमती धातुओं के भाव इसी तरह ऊंचे बने रहते हैं, तो और भी लोग अपने पुराने गिरवी आभूषण

केस–एक

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एक महिला ने बताया कि करीब तीन साल पहले पति की बीमारी के दौरान उन्होंने 1.70 लाख का सोना गिरवी रखकर एक लाख रुपये का कर्ज लिया था। परिवार की स्थिति सही न होने से न तो वह कर्ज चुका पाईं और न ब्याज। अब मेरे गहनों की कीमत करीब 4.30 लाख रुपये हो गई है। मैंने पूरा सोना बेचकर मूल और नकद दोनों चुका दिए। उसके बाद भी करीब सवा दो लाख रुपये बच गए।

केस–दो

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के एक व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2023 नवंबर में बेटी की शादी के लिए सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया था। उस समय करीब पांच लाख रुपये सोने के आभूषण के बदले तीन लाख रुपये का कर्ज मिला था। चिंता थी कि इस कर्ज को कैसे चुका पाऊंगा। सोने–चांदी के दाम बढ़ने पर मैंने कुछ आभूषण बेचकर ही कर्ज चुका दिया। बाकी आभूषण उनके पास सुरक्षित हैं।

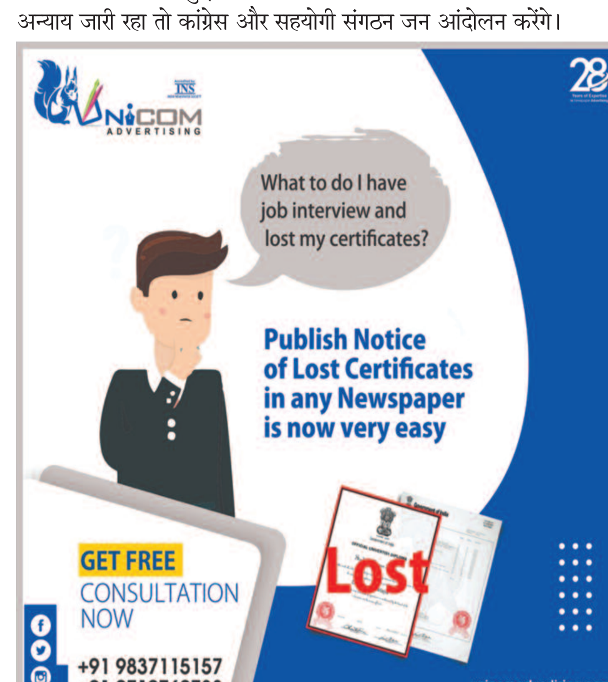

कोहरे ने रोकी धूप, ओस ने उड़ाए होश

मथुरा में मौसम का बदला मिजाज गिरा तापमान और छाया घना कोहरा

सुबह कोहरे-ओस ने बढ़ाई मुश्किलें, दोपहर में धूप ने दी राहत

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। /फरह। बुधवार को मौसम काफी खराब रहा। सुबह कोहरा के बीच ओस ने लोगों के होश उड़ा दिए। कोहरा और ओस के इस मिश्रण से बाइक सवारों के कपड़े भीग गए। वाहन चालकों को भी ओस की वजह से परेशानी हुई। मौसम के ऐसे हाल से अधिकतम तापमान भी नीचे आ गया। सुबह आबादी के आसपास और राहों पर घना कोहरा छाया था, लेकिन इस दौरान आसमान से बूंद बनकर गिरी ओस जरूर परेशानी की वजह बन गई। सुबह-सुबह काम पर बाइक से जाने वाले लोगों के कपड़े भी गए, वाहन चालकों को ओस की वजह से शीशा साफ करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। दोपहर करीब एक बजे मौसम कुछ साफ हुआ तो धूप चमकने लगी। करीब आधा घंटे बाद मौसम के पूरी तरह साफ होने से धूप निकल आई, जिसने नागरिकों को राहत दी। वहीं, मौसम के ऐसे हाल से अधिकतम तापमान में भी बदलाव आ गया। आज अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बीते दिन अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आगामी दिनों में सुबह कोहरा और धुंध का असर बना रहेगा।

आसमान से बरसी ओस की वजह से भीगा फरह कस्बे का मुख्य रास्ता।

मथुरा टैंक चौराहे के पास कोहरे के बीच से निकलते वाहन।

नगर आयुक्त का सफाई में लापरवाही पर कड़ा रुख

सफाई निरीक्षक पर विभागीय कार्रवाई के दिए निर्देश

वार्ड संख्या 49 डैंपियर नगर में निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

सुपरवाइजर के विरुद्ध सस्पेंशन की कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने नगर निगम मथुरा-वृंदावन के वार्ड संख्या 49 स्थित डैंपियर नगर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था असंतोषजनक एवं निर्धारित मानकों के विपरीत पाई गई। नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सुपरवाइजर को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सफाई निरीक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित करने के आदेश भी जारी किए गए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने समस्त सुपरवाइजरों एवं सफाई निरीक्षकों को सख्त निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन प्रातःकाल अपने-अपने वार्डों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सफाई कार्यों की निगरानी करें तथा यह सुनिश्चित करें कि स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, क्षेत्र में हड़कंप

अतिक्रमण को ध्वस्त करती जेसीबी।

पक्का अतिक्रमण ध्वस्त कराया गया

राजस्व टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

संवाददाता

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। कस्बा सुरीर में ग्राम पंचायत की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से पक्का अतिक्रमण ध्वस्त कराया गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। विजऊ निवासी संजय सिंह ने मौजा सुरीर विजऊ बांगर के खसरा संख्या 345 में किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाने के लिए उपजिलाधिकारी मांट को प्रार्थना पत्र दिया था। मामले का संज्ञान लेते हुए एसडीएम ने अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में बुधवार को कार्रवाई की गई। टीम में उपनिरीक्षक प्रबल प्रताप सिंह, विनीत दागी, राजस्व निरीक्षक नरेश शर्मा, लेखपाल हरवीर सिंह, सुमित पाठक एवं हेमेंद्र सिंह शामिल थे।

ट्रक से टकराया कैंटर चालक की मौत

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित महुअन टोल के समीप घने कोहरे में ट्रक से एक कैंटर टकरा गया। हादसे में चालक गंभीर घायल हो गया। अस्पताल में उसको मृत घोषित कर दिया। हादसा मंगलवार रात करीब 12 बजे का है।

देर रात घने कोहरे में महुअन टोल के पास एक कैंटर चालक आगे चल रहे ट्रक से टकरा गया। जानकारी पर मौके पर पहुंचे टोल चौकी प्रभारी अभिलाख ने कैंटर चालक को घायल अवस्था में टोल की एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया कि कागजों के आधार पर मिली जानकारी के अनुसार, गाड़ी खिड़की मोहल्ला किला गेट रोड ग्वालियर मध्य प्रदेश निवासी गौरव प्रजापति की है।

तापमान / मौसम

17 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

10 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,68,000

22 कैरेट 1,54,560

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,96,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सएप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 — सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

जल निगम, मथुरा

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए यूनिक समय
www.uniquesamay.com

फरह में विद्युत कटौती बनी समस्या, कारोबार प्रभावित

परीक्षा की तैयारियों में लगे छात्र-छात्राएं भी परेशान

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। अभी गर्मी ने एंट्री नहीं मारी है, लेकिन बिजली कटौती खूब होने लगी है। सुबह और शाम की इस नियमित कटौती से उद्योग धंधे प्रभावित होने लगे हैं तो व्यापारी और श्रमिक वर्ग परेशान होने लगा है। बोर्ड परीक्षा की चिंता में डूबे विद्यार्थी भी बिजली कटौती को लेकर दिक्कत में हैं। कस्बा में सुबह से रात तक कई बार अनियमित कटौती होती है, इसके अलावा सुबह सात बजे से आठ बजे तक और

दोपहर में कई घंटे की कटौती तो नियमित बन चुकी है। इसके अलावा बीच-बीच में भी कई बार बिजली गायब हो जाती है। इस बिजली कटौती का सबसे बड़ा प्रभाव व्यापारी और श्रमिक वर्ग पर पड़ रहा है। बिजली कटौती की वजह से लघु उद्योगों में भी काम प्रभावित होने लगा है। कस्बा के तेल कारखाने में काम करने वाले बच्चू ने बताया कि वह कई घंटे तक बिना बिजली के बैठे रहते हैं, व्यापारी भी इस समस्या से परेशान रहता है। वहीं, अब जल्द ही बोर्ड परीक्षाएं भी शुरू हो रही है, विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में जुड़ने लगे हैं। ऐसे में बिजली कटौती भी विद्यार्थियों को परेशान कर रही है। पढ़ाई के समय बिजली गायब होने से बोर्ड परीक्षार्थी परेशान है। वहीं, स्कूल जाने के समय बिजली कटौती से दूसरी कक्षाओं के विद्यार्थी भी दिक्कत में है। बिजली कटौती के पीछे छिपे राज को उजागर करते हुए विभाग के एक सूत्र ने दावा किया है कि यह कटौती बिजली चोरी करने के लिए ही होती है। बिजली काटने के दौरान अवैध बिजली सप्लाई लेने वालों को राहत दी जाती है। अवर अभियंता मनमोहन का कहना है कि सुबह और शाम के अलावा यदि अन्य समय कटौती होती है तो वह उपभोक्ता की समस्याओं को दूर करने के लिए ही होती है।

श्री कुंज बिहारी लाल जी का तीसवां श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

संगीत आचार्या सरिता दुबे के निर्देशन में श्रद्धांजलि गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल के संस्थापक स्वर्गीय श्री कुंज बिहारी लाल जी की 30वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 4 फरवरी 2026 को विद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. रोशन लाल अग्रवाल, विद्यालय प्रबंधक बांके बिहारी शर्मा, प्रांतीय समिति प्रतिनिधि चन्द्र प्रकाश द्विवेदी सहित अन्य अतिथियों, परिवारीजनों, पदाधिकारियों एवं विद्यालय स्टाफ ने दिवंगत आत्मा के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विद्यालय प्रबंधक बांके बिहारी शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने स्वर्गीय कुंज बिहारी लाल जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श विद्यालय के लिए प्रेरणास्रोत हैं। संगीत आचार्या सरिता दुबे के निर्देशन में श्रद्धांजलि गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर दिल्ली में आयोजित अबैकस ओलंपियाड एवं शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बोलेरो ने दो बाइक सवारों को रौंदा, एक की मौत

वैवाहिक समारोह से लौट रहे थे दोनों

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार की रात्रि बरेली हाईवे मार्ग पर शादी समारोह से लौट रहे दो बाइक सवारो को अनियंत्रित बोलेरो चालक ने पीछे टक्कर मारकर रौंद दिया। इस दौरान पीछे बैठे बुजुर्ग की मौके पर मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बरेली हाईवे मार्ग गांव भीमा नगला के समीप राया में शादी समारोह में शामिल होकर वापिस लौट रहे दो बाइक सवारों को अज्ञात बोलेरो चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस दौरान बाइक पर पीछे बैठे लालाराम (65) निवासी दिसवार इगलास सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान बोलेरो गाड़ी लालाराम को 50 मीटर दूर तक घसीट कर ले गयी। उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। वही चालक घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी और शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया।

छात्रों को स्कूल ले जा रहीं दो ईको गाड़ी टकराई

कोहरे में बड़ा हादसा टला

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत हथकरघा के समीप मथुरा मार्ग पर छात्रों को स्कूल लेकर आ रही ईको गाड़ी की सामने से आ रही ईको गाड़ी से भिड़ंत हो गयी। गाड़ी में सवार छात्रों को मामूली चोटें आई है। उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी। जानकारी के अनुसार मथुरा के सेंट डोनामिक स्कूल के लिए ईको गाड़ी राया से प्रतिदिन छात्रों को लेकर मथुरा जाती है। वही एसकेएस स्कूल बिचपुरी से इको गाड़ी मथुरा से टीचरों को लेकर राया आती है। कोहरे के कारण हथकरघा मल्है के समीप बस को ओवरटेक करते समय दो ईको गाड़ी में भिड़ंत हो गई। घटना के बाद छात्रों में चीख पुकार मच गयी। घटना में चालक विपिन पुत्र सतेंद्र निवासी थाना अमरसिंह घायल हो गया। वही दो टीचर व कुछ छात्रों के मामूली चोटें आयी हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस क्षतिग्रस्त वाहनों को थाना राया ले आयी।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने वाले की जमानत खारिज

कार्यालय संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने वाले अभियुक्त की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। डीजीसी शिवराम सिंह ने बताया कि गोवर्धन थाना क्षेत्र निवासी दिनेश खिलाफ खेमराज ने दहेज की मांग को लेकर बहन वर्षा की फांसी लगा कर हत्या करने की रिपोर्ट लिखाई थी। दिनेश और उसके परिवार के लोगों ने एक मोटरसाइकिल, सोने के जेवरात और नकद रुपये लाने के लिए वर्षा को प्रताड़ित किया गया। दहेज की मांग पूरी न होने पर उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में दिनेश जेल में है। उसने अपनी जमानत के लिए जिला एंव सत्र न्यायाधीश के कोर्ट में आवेदन किया। आवेदन में अपने को निर्दोष बताते हुए पार्टी बंदी के कारण फंसाए जाने की बात कही। इस मामले में डीजीसी ने जमानत का कड़ा विरोध किया। न्यायाधीश ने दिनेश की जमानत को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

स्क्रेप चोरी करने वाले चार शातिर चोर गिरफ्तार

स्क्रेप चोरी करने वाले चोर पुलिस गिरफ्त में चोरी के माल के साथ।

चोरी का स्क्रेप और अवैध चाकू भी हुए बरामद

कार्यालय संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने स्क्रेप चोरी के मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का स्क्रेप और चाकू आदि बरामद किए हैं। गोविंदनगर थाना क्षेत्र की डीग गेट पुलिस चौकी क्षेत्र में एक कबाड़े के गोदाम से लाखों रुपये का स्क्रेप चोरी हो गया। इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना गोविंदनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने वहां लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज निकाल कर चोरी करने वालों के बारे में छान बीन कर पुलिस को चोरों का पता लग गया। इस मामले में जांच कर रही पुलिस टीम को चोरों के बारे में सूचना मिली। पुलिस ने पुरानी रेलवे लाइन पर रखे एक खोखे से युसुफ उर्फ ईसुब, चुन्नी, चांद और युसुफ पुत्र रफीक निवासी नई बस्ती थाना गोविंदनगर, चांद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से एक प्लास्टिक का बोरा जिसमें चुराया गया स्क्रेप का तांबा और पीतल का मिश्रित सामान था। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक मंयक, उप निरीक्षक संतोष कुमार व पुलिस टीम है।

अब वृंदावन पुलिस कठघरे में

कोर्ट के आदेश से बाइक चोरी की एफआईआर

सितम्बर 2025 में चोरी हुई थी बाइक

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृन्दावन। केशव धाम पुलिस चौकी क्षेत्र में बिना सिफारिश या दबाव के अभियोग पंजीकृत कराना नामुमकिन हो गया है। इस पुलिसिया उदासीनता का ताजा उदाहरण ग्राम तरौली शुमाली निवासी रौतान का मामला है। इसकी रिपोर्ट घटना के पूरे पाँच महीने बाद कोर्ट के आदेश पर कोतवाली वृन्दावन में दर्ज हो सकी। घटना पांच सितम्बर 2025 की है। शाम करीब छह बजे रौतान अपनी मोटरसाइकिल द्वारा वृन्दावन से छटीकरा जा रहे थे।

प्रेम मंदिर से आगे छटीकरा मार्ग पर कच्चे रास्ते में मोटरसाइकिल खड़ी कर वे कुछ दूरी पर शौच के लिए गए थे। इस दरम्यान दो अज्ञात युवक मोटरसाइकिल से पहुँचे। एक ने पलक झपकते ही ताला तोड़ा और मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। रौतान ने शोर मचाते हुए चोरों का पीछा किया, लेकिन वे भाग निकले। पीड़ित का कहना है कि चोर सामने आए तो वह पहचान सकता है, फिर भी पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज करना जरूरी नहीं समझा। घटना के बाद रौतान ने केशव धाम पुलिस चौकी के चक्कर काटे, लेकिन हर बार उसे टाल दिया गया। न कोई सुनवाई, न कोई कार्रवाई। अंततः न्याय पाने के लिए उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट के आदेश के बाद ही पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। वह अपने आप में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

लोगों का कहना है कि केशव धाम पुलिस चौकी क्षेत्र में वाहन चोर गिरोह सक्रिय हैं, लेकिन पुलिस की निष्क्रियता के चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। सवाल यह है कि जब पुलिस समय पर रिपोर्ट ही दर्ज नहीं करेगी, तो अपराधियों पर लगाम कैसे लगेगी?

स्कूली वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं के बाद जागता है प्रशासन

स्कूलों में चल रहे हैं प्राइवेट और खराब वाहन

स्कूल में लगी प्राइवेट ईको कार।

एआरटीओ सड़क पर चल रहे वाहनों को नहीं करते चेक

कार्यालय संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। स्कूल बसों अथवा स्कूल वाहनों से दुर्घटना होने पर प्रशासन और परिवहन विभाग के अधिकारियों की नींद टूटती है। कुछ समय बाद फिर से स्कूलों में इसी तरह के वाहन चलते नजर आते हैं। शहर ही नहीं देहात के अनेक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को लाने ले जाने के लिए स्कूलों द्वारा वाहनों का प्रयोग किया जाता है। स्कूल प्रबंधकों द्वारा नियमों को ताक पर रख कर प्राइवेट और ऐसे वाहनों को बच्चों को लाने ले जाने के लिए लगाया जाता है जो पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं। इन वाहनों में मानकों के अनुरूप न तो कैमरे लगे है और न ही उनमें बच्चों को चढ़ने और उतरने के लिए किसी सेवक अथवा सेविका की व्यवस्था है। यहां तक कुछ प्राइवेट वाहन ऐसे भी है जिनके कागजात तक वैध नहीं होते हैं। इसके साथ ही वाहनों की सड़क पर चलने के लिए फिटनेस भी ठीक से नहीं होती है। स्कूलों में लगे इस तरह के वाहनों में अभिभावकों की बच्चों को भेजना मजबूरी है। क्योंकि स्कूल में लगे इस तरह के वाहनों का खर्चा दूसरे वाहन से स्कूल भेजने के मुकाबले काफी अधिक और सिरदर्दी है। वाहन बच्चे को घर से ले जाकर वापस घर छोड़ देता है। इस दौरान परिवार के लोगों को बच्चे के बारे में सोचने की चिंता नहीं रहती।

श्रृंग ऋषि के जन्म से जुड़ा 2100 साल पुराना शिल्प स्तम्भ मिला

गोविंद नगर से संग्रहालय तक : प्राचीन शिल्प स्तंभ में छुपा वैदिक इतिहास और आस्था

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के गोविंद नगर क्षेत्र से एक बहुत पुराना शिल्प स्तम्भ वर्षों पहले मिला है। इस स्तम्भ पर श्रृंग ऋषि के जन्म से जुड़ी कहानी को पत्थर पर उकेरा गया है। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार यह स्तम्भ प्रथम शती ईसा पूर्व का आज भी लोगों को लुभा रहा है। यह प्राचीन वेदिका स्तम्भ डेम्पियर नगर स्थित राजकीय संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। पंजीकरण संख्या 76.40 वाले इस स्तम्भ को देखने के लिए रोजाना बड़ी संख्या में लोग और छात्र संग्रहालय पहुंचते हैं। इस शिल्प स्तम्भ को कई भागों में बनाया गया है। ऊपर के हिस्से

में बोधिसत्व के मुकुट की पूजा का दृश्य दिखाया गया है, जिससे उस समय मथुरा में बौद्ध धर्म के

गोविंद नगर से प्राप्त प्रथम शती ईसा पूर्व की वेदिका राजकीय संग्रहालय में सुरक्षित

प्रभाव का पता चलता है। मिली जानकारी के अनुसार यह शिल्प बौद्ध और पौराणिक परंपराओं के साथ–साथ चलने का प्रमाण है। स्तम्भ के बीच वाले हिस्से में एक मुनि को अपने आश्रम में हिरणी को चारा खिलाते हुए दिखाया गया है। यह दृश्य प्रकृति, पशु–पक्षियों और आश्रम जीवन से जुड़ा संदेश देता है। वहीं तीसरे हिस्से में श्रृंग ऋषि के जन्म से जुड़ी कथा को दर्शाया गया है। मान्यताओं के अनुसार श्रृंग ऋषि, विभांडक मुनि के पुत्र थे। इस कथा को प्रतीकों के माध्यम से पत्थर पर दिखाया गया है। स्तम्भ के निचले हिस्से में ऋषि कुमार के जन्म पर मनाए गए उत्सव को निखारता है। आज से नहीं ये तो खुशियों को लेकर कई दशकों से मिठाइयां बांटी जाती हैं, जो पूर्व की परंपराओं को आज भी कर रहे हैं। उस समय के सामाजिक जीवन और खुशियों भरे आयोजनों की झलक आज भी लोग मानते हैं। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के शिल्प मथुरा के प्राचीन इतिहास, कला और संस्कृति को समझने में सहायता मिलती है।

In Loving Memory of

Late Mrs. P. Paul
(Fifteenth Death Anniversary)

Fifteen years have passed since you left us on this day, leaving a huge void in our lives. Your memories are still fresh as ever and we miss your warmth and smile. You continue to be a source of inspiration and strength for all of us and your principles and values will always be the guiding light of our lives.

Fondly remembered by:
All family Members, Staff and Students of
St. Paul's Sr. Secondary School, Mathura
St. Paul's Kids World, Mathura

विश्व कैंसर दिवस पर सिम्स हॉस्पिटल में लगा नि:शुल्क कैंसर परामर्श शिविर

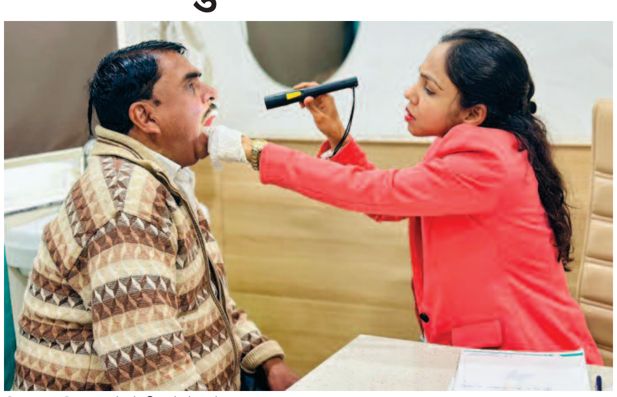

सिम्स हॉस्पिटल में रोगी को देखते हुए डॉक्टर।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विश्व कैंसर दिवस पर सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (सिम्स) हॉस्पिटल में निःशुल्क कैंसर परामर्श शिविर लगाया। कैंप में सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. यशस्वी चौधरी ने कैंसर मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया। श्री चौधरी ने कहा कि सबसे पहले कैंसर से डरने की जरूरत नहीं है। यदि कैंसर की पहचान शुरुआती अवस्था में हो जाए तो इसका इलाज पूरी तरह संभव है। सिम्स हॉस्पिटल में मुंह, स्तन, गर्भाशय और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों की जांच

कैंसर से डरने की जरूरत नहीं

भी की जाती है। पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि सभी प्रकार के दर्द का उपचार किया जाता है।

सिम्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि "सिम्स में मुंह, गला, स्तन, किडनी, फेफड़े, प्रोस्टेट, आंत, गर्भाशय, पेट, मूत्राशय, मस्तिष्क और स्पाइन सहित सभी प्रकार के कैंसर का इलाज अनुभवी और कुशल चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।

जल्द मथुरा आएंगे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। माघ मेला प्रकरण में शासन की भूमिका के विरोध और सनातन धर्म की रक्षा के लिए देशभर में उठ रही आवाज के बीच शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने जल्द ही ब्रज में धर्मसभा को संबोधित करने की स्वीकृति प्रदान की है। संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने वाराणसी स्थित शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में उन्हें समर्थन पत्र सौंपा। इस दौरान गो–रक्षा, पवित्र नदियों की अविरलता, मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण तथा सनातन धर्म पर हो रहे कथित प्रहारों जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक के आग्रह पर शंकराचार्य ने ब्रज में आकर धर्मसभा को संबोधित करने की सहमति दी।

कार्यक्रम की तिथि शीघ्र घोषित किए जाने की जानकारी दी गई है। शंकराचार्य से मिलकर लौटे संजय चतुर्वेदी अल्पाइन एवं राकेश तिवारी ने बताया कि हाल ही में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा एवं श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के संयुक्त तत्वावधान बैठक हुई थी। इसमें शंकराचार्य को समर्थन देने और मुलाकात करने का प्रस्ताव पास हुआ था। इसी के तहत उनसे मुलाकात करके उन्हें ब्रज आने का न्यौता दिया गया।

जनसूचना अधिकारी के कंप्यूटर ऑपरेटर ने की धोखाधड़ी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जनपद में वीवीआईपी के कार्यक्रमों के साथ–साथ जनपद में होने वाले शासकीय कार्यक्रम और रंगोत्सवों के प्रचार प्रसार किए जाने वाले खर्च फर्जी सत्यापन प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में सूचना अधिकारी ने कम्प्यूटर ऑपरेटर ऑउट सोर्सिंग के खिलाफ धोखाधड़ी करने के मामले में थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सूचना अधिकारी ने दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि उनके कार्यालय में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर ऑउट सोर्सिंग नारायन सिंह द्वारा निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा जनपद में वीवीआईपी के कार्यक्रमों के अलावा जनपद में आयोजित होने वाले रंगोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, बृजरज उत्सव एवं अन्य शासकीय कार्यक्रमों तथा योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए होर्डिंग, एलईडी वेन एवं एलईडी स्क्रीन के द्वारा विभाग में पंजीकृत एजेंसियों का भुगतान मुख्यालय स्तर से किया जाता है। 2 फरवरी 2026 को सूचना अधिकारी (निदेशालय) जैनेंद्र

कंप्यूटर ऑपरेटर ने कार्यक्रम के भुगतान के जारी किए फर्जी प्रमाणपत्र

सिंह ने श्रीमती एवन ग्रीन एडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के कार्य का सत्यापन प्रमाण पत्र की फोटो भेजी गई थी जिसमे पूछा गया था कि सत्यापन प्रमाणपत्र पर उनके हस्ताक्षर हैं। इस पर देखा गया तो प्रमाणपत्र पर उनके हस्ताक्षर फर्जी थे। इसकी सूचना जैनेंद्र सिंह के व्हाटसअप पर दे दी गई।

प्रमाण पत्र पर न तो कार्यालय का पत्रांक था न डिस्पेच पंजिका में चढ़ा हुआ था। इसके बाद संबंधित फर्मो से जारी किए गए प्रमाणपत्रों की जानकारी की गई तो पता लगा कि प्रमाणपत्र कंप्यूटर ऑपरेटर नारायन सिंह द्वारा उन्हे भेजे गए हैं। इस बारे में जानकारी की गई तो इन फर्मों के इस तरह के पांच प्रमाण पत्र नारायान सिंह द्वारा फर्जी तरीके से धोखाधड़ी कर जारी किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

योगेन्द्र चतुर्वेदी बने व्यापार मंडल के जिला महामंत्री

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष प्रदीप दाल वालों ने भाजपा व व्यापारी नेता योगेन्द्र चतुर्वेदी को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल मथुरा इकाई का जिला महामंत्री बनाया है। महामंत्री बनाने पर कृष्णगोपाल सिंघल, सुमित सर्राफ, संजय सर्राफ, अतुल शोरा वाला, संजय चतुर्वेदी एवं चिराग अग्रवाल आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

स्काउट और गाइड के प्रथम व द्वितीय सोपान शिविर का आयोजन

यूनिक समय, वृन्दावन। हेरीटेज पब्लिक स्कूल में स्काउट और गाइड के तीन दिवसीय प्रथम व द्वितीय सोपान जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य शालिनी शर्मा, जिला संगठन कमिश्नर स्काउट व लीडर ट्रेनर अशोक सोलंकी ने किया। प्रथम सोपान शिविर में विद्यालय के 74 स्काउट गाइड ने प्रथम व 21 स्काउट गाइड ने द्वितीय सोपान का प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य अतिथि भारत स्काउट और गाइड के जिला सचिव जोगेन्द्र सिंह, सुशील पचौरी थे। संचालन पीयूष कुमार ने किया।

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव 20 से 23 तक मनाया जाएगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित बैठक में 20 से 23 फरवरी तक चार दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव मनाने का निर्णय लिया है। संस्थापक राजीव अग्रवाल ने बताया कि 20 फरवरी को निशान यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। निशान यात्रा कृष्णा नगर स्थित विपिन नर्सिंग होम के पीछे से प्रारंभ होकर भूतेश्वर महादेव मंदिर के समीप श्री खाटू श्याम मंदिर पर संपन्न होगी। संस्था के अध्यक्ष सुभाष चंद्र अग्रवाल ने बताया की 22 फरवरी को सायं चार बजे से श्री खाटू श्याम का मेहंदी कार्यक्रम

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका विमोचन करते पदाधिकारी।

कृष्ण कुंज कॉलोनी स्थित भूतेश्वर रोड पर किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रियांक मल्होत्रा ने बताया 23 फरवरी को संकीर्तन शाम 6:00 बजे से फ्लोरेंस गार्डन सरस्वती कुंड, मसानी लिंक रोड पर किया जाएगा। संस्था के सचिव आलोक जैन ने बताया कि संकीर्तन में अंतर्राष्ट्रीय भजन गायिका श्रीमती अंजलि द्विवेदी नाथ नगरी बरेली, भजन सम्राट विशाल शैली पटियाला (पंजाब), अभी–अनुज पारीख भीलवाड़ा (राजस्थान) एवं अपने ब्रज क्षेत्र से भजन गायक भी अपने मधुर भजनों से श्री खाटू श्याम बाबा को रिझायेंगे।

कार्यक्रम के दौरान चार दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का पदाधिकारी ने विमोचन किया। कार्यक्रम में मनोज अग्रवाल, नीलू गोला, राजेश अग्रवाल, मोहित मित्तल, भूपेंद्र गर्ग, उमेश भदौरिया, लवनीश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई तय

संजय नगर-हरीनगर नाले से अवैध निर्माण जल्द टूटेंगे

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर क्षेत्र के संजय नगर और हरीनगर से होकर गुजर रहे सिंचाई विभाग के नाले को लेकर प्रशासन और सिंचाई विभाग में चर्चा शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब नाले की जमीन पर बने अवैध अतिक्रमण को हटाने की तैयारी की जा रही है। इससे साफ हो गया है कि जल्द ही कार्रवाई शुरू हो सकती है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता नवीन कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही आदेश दे चुका है कि नाले की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे हटाए जाएं। इसी आदेश के पालन के लिए बुधवार को एडीएम प्रशासन, एसपी सिटी, सीओ सिटी और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। उन्होंने बताया कि संजय नगर और हरीनगर क्षेत्र में सैंकड़ों लोगों ने सिंचाई विभाग के नाले की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। यहां दुकानों,

बुधवार को प्रशासन और सिंचाई विभाग की बैठक हुई

पक्के निर्माण और बाउंड्री वॉल बना दी गई हैं। इन निर्माणों के कारण नाले में पानी का बहाव रुक जाता है। अधिशासी अभियंता ने कहा कि लोगों द्वारा बनाए गए अवैध व्यावसायिक निर्माण और बाउंड्री वॉल को जल्द तोड़ा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार नाले की जमीन पर बने अवैध मकानों को भी हटाया जाएगा। इस संबंध में स्थानीय लोगों और दुकानदारों को कई बार पहले ही सूचना दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। उन्होंने साफ कहा कि अब विभाग और प्रशासन मिलकर सख्त कदम उठाएंगे। जो लोग अब तक स्वयं निर्माण नहीं हटा रहे हैं, उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर पुलिस बल की मदद भी ली जाएगी। फिलहाल इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में हलचल है। लोग बैठक के बाद होने वाले फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

खौफ के साए में रातें काट रहे हैं संजय नगर के लोग

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। संजय नगर इलाके में नहर की जमीन पर अवैध रूप से रहने वाले लोग खौफ के साये में जी रहे हैं। रात को सोने के बाद सोचते हैं कि शायद कल का सूरज निकलने पर उनके परिवार के सिर से छत छिन जाएगी। कोर्ट द्वारा सिंचाई विभाग के नाले की जमीन पर अवैध निर्माणों को ध्वस्त कराने के आदेश के बाद संजयनगर में लोगों द्वारा लाखों की लागत से बना कर रहने वाले परिवारों की नींद हराम हो गई है। इस इलाके में रहने वाले परिवारों के सामने घर से बेघर होने का दर्द सता रहा है। इस जमीन पर अवैध निर्माण को हटाने को लेकर होने वाले जन आक्रोश को ध्यान में रखते आज इस तरह की योजना बनाई है कि जमीन पर बने कमर्शियल निर्माण और बाउंड्री वॉलों को पहले तोड़ा जाएगा। इसके बाद वहां बने मकानों पर कार्रवाई की जाएगी। संजय नगर में रहने वाले अनेक ऐसे परिवार भी हैं जिन्होंने काफी मेहनत और मशक्कत के साथ अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई को लगा कर अपने बच्चों के सिर पर छत का इंतजाम किया था। अब मकान टूटने के बाद शायद ही अपने बच्चों के सिर पर छत का इंतजाम कर पाएंगे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी विश्वनाथ धाम जायेगा प्रसाद

प्रेस वार्ता करते सचिव कपिल शर्मा साथ में गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी को प्रसाद 08 फरवरी की प्रातः 10:00 बजे भेजा जायेगा। श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर श्री कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम के बीच काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के परामर्श से किया गया यह पवित्र आयोजन शिव भक्तों को प्रसन्न करेगा। शास्त्रीय मान्यताओं, परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार, मंदिर के पुजारी सुसज्जित वाहनों में सावा मन फलहारी लड्डू, फल, पंचमेव, बाबा विश्वनाथ भगवती अन्नपूर्णा के वस्त्र और आभूषण, सुगंधित पदार्थ आदि सामग्री काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी ले जाएंगे। यह आहुति महाशिवरात्रि-2 के फलकुल कृष्ण चतुर्दशी के पवित्र दिन बाबा विश्वनाथ जी को अर्पित की जाएगी। संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि महाशिवरात्रि देश-विदेश के साथ-साथ ब्रजभूमि में भी बहुत ही धूमधाम से मनायी जाती है। महाशिवरात्रि पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर विराजमान भगवान श्रीकेशवेश्वर महादेव एवं श्रीअन्नपूर्णेश्वर महादेव के दर्शन एवं अर्चन के लिए हजारों श्रृद्धालु पधारते हैं, साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा निकाली जाने वाली शिव-बारात ब्रजवासियों एवं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र रहती है।

राधेश्याम कॉलोनी में भाजपा का लगा मतदाता पंजीकरण कैम्प

राधेश्याम कॉलोनी में लगे भाजपा के मतदाता पंजीकरण कैंप में महापौर विनोद अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 राधेश्याम कॉलोनी में भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से बूथ नंबर 91, 93 और 94 पर विशेष मतदाता पंजीकरण कैम्प लगाया गया। कैम्प के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ना और लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। कैम्प का निरीक्षण करते महापौर विनोद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और मतदाता पहचान पत्र बनवाने आए लोगों को जरूरी जानकारी दी। महापौर ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना जरूरी है। भाजपा के मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए बहुत जरूरी है। इस मौके पर अनीश वर्मा, गोविंद शर्मा, अंकुर अग्रवाल, सुनीता उपाध्याय तथा मुनेश दीक्षित आदि उपस्थित थे।

शुक्र ग्रह के उदय के बाद आज रात्रि को बजेंगी शहनाई...

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 52 दिन से अस्त चल रहे शुक्र का उदय एक फरवरी को हो चुका है। इस कारण अब आज रात्रि से शादी-ब्याह और मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। हालांकि कुछ ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि विवाह के लिए शुभ लग्न पांच फरवरी से ही शुरू हो रहे हैं। मथुरा जिले में चार फरवरी को भी कई जगह शादियां हैं। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल गौड़ के मुताबिक, विवाह के लिए गुरु और शुक्र ग्रह का उदय रहना आवश्यक है। 12 दिसंबर से शुक्र 52 दिन के लिए अस्त चल रहे थे। इस कारण मकर संक्रांति के बाद विवाह कार्य स्थगित थे। अब चार फरवरी से विवाह आदि मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। इस दौरान विवाह संस्कार, वर-वधु मिलन और मंगल कार्यों के लिए ग्रह-योग

जगह-जगह होंगे रास्ते जाम, बढ़ेगी परेशानी

अत्यंत शुभ माने गए हैं। उन्होंने बताया कि 12 मार्च के बाद विवाह मुहूर्त सीधे अप्रैल में मिलेंगे। वजह होगी 14 मार्च के बाद एक माह के लिए मीन खरमास लग जाएगा। फरवरी में 4, 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20 तथा 21 तारीख को विवाह होंगे। विवाहोत्सव में जिले के शहरी, कस्बा और ग्रामीण इलाकों में सुबह से घुड़चढ़ी की तैयारियां शुरू हो गई। मैरिज होम सजकर तैयार हो गए। अब इंतजार है तो बराती और घरातियों के मेहमानों का। मथुरा के मसानी बाइपास रोड और वृंदावन छटीकरा रोड पर अच्छी खासी रौनक देखने को मिलेगी। उधर, इस वर्ष अधिक ज्येष्ठ मास 17 मई से 15 जून तक रहेगा।

प्रजापति महासभा अलीगढ़-आगरा मंडल के पदाधिकारी चुने गए

प्रजापति महासभा के नए पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। प्रजापति महासभा अलीगढ़-आगरा मंडल का चुनाव हुआ। इसमें दोनों मंडलों की सभी मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद कासगंज एवं मैनपुरी प्रजापति समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया संरक्षक मंडल की चयन समिति ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर पप्पू लाल मथुरा, महामंत्री पद पर रमेश चंद गोला कासगंज एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए शिशुपाल सिंह आर्य निवासी (अलीगढ़) को निर्वाचित किया। पूर्व पदाधिकारियों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष राजवीर सिंह (अलीगढ़) को मुख्य संरक्षक बनाया। बैठक में विजेंद्र सिंह गोला, कैप्टन केशव देव गोला, अशोक कुमार प्रजापति, डॉ भोगीराम गोला, अनिल गोला, ओम प्रकाश गोला, रामकुमार गोला, कमल सिंह गोला, मांगीराम प्रजापति, रमाकांत गोला, विवेक प्रजापति, मोहन सिंह गोला, राजेश कुमार गोला, सतीश चंद्र गोला, विष्णु दत्त गोला, साहब सिंह दक्ष, महेंद्र गोला, जयपाल गोला, मदन मोहन गोला, जयप्रकाश गोला, महेंद्र प्रजापति, महेश चंद्र तथा हरीश चंद्र गोला उपस्थित थे।

केडी विश्वविद्यालय और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान के बीच अनुबंध

प्रत्येक ब्रजवासी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केडी विश्वविद्यालय और श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान, बरसाना के बीच तीन फरवरी को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। अनुबंध पर केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी और संस्थान के अध्यक्ष ब्रज शरण दास ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान आपसी सहयोग से ब्रजवासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य करेंगे। कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने बताया कि केडी विश्वविद्यालय चिकित्सा अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य

अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर के बाद कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी तथा श्री माताजी गौवंश सेवा संस्थान के अध्यक्ष ब्रज शरण दास।

कर रहा है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य भावी चिकित्सकों और तकनीशियनों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करना है। डॉ. लाहौरी ने कहा कि इस अनुबंध के माध्यम से समाज सेवा को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे रोगियों का समय और धन दोनों बच सके। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा तथा गंभीर रोगियों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

इसके साथ ही मनोवैज्ञानिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल और उप कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने इसे ब्रजवासियों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष ब्रज शरण दास ने अनुबंध को समसामयिक बताते हुए कहा कि इससे समूचे ब्रज क्षेत्र को लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में यह एक नई मिसाल बनेगा।

घरेलू उपाय दिला सकते हैं तुरंत राहत

विटामिन ए, बी12, बी3 समेत कई पोषक तत्वों की कमी से बढ़ सकती है खुजली

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर में लगातार खुजली होना भले ही देखने में एक मामूली समस्या लगे, लेकिन यह कई बार किसी गंभीर कारण का संकेत भी हो सकता है। खुजली के कारण व्यक्ति का बैठना, खड़े रहना और सोना तक मुश्किल हो जाता है। आमतौर पर लोग खुजली को लिवर से जुड़ी समस्या मानते हैं, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार इसके पीछे केवल लिवर ही नहीं, बल्कि शरीर में कुछ जरूरी विटामिन और पोषक तत्वों की कमी भी जिम्मेदार हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि त्वचा पर खुजली सिर्फ बाहरी समस्या नहीं होती, बल्कि यह शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का संकेत हो सकती है। कई बार एलर्जी, पित्ती, दाद या खाज जैसी त्वचा संबंधी बीमारियों के कारण भी खुजली होती है। इसके अलावा किसी खास खाद्य पदार्थ से एलर्जी होने पर भी त्वचा में जलन और खुजली शुरू हो सकती है।

अगर बात विटामिन की कमी की करें, तो सबसे पहले विटामिन ए का नाम आता है। विटामिन ए की कमी से त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है, जिससे खुजली की शिकायत होने लगती है। वहीं विटामिन बी12 की कमी से स्किन पर रैशेज, झनझनाहट और हाथ-पैरों में खुजली महसूस हो सकती है। इसके अलावा विटामिन बी3, जिसे नियासिन भी कहा जाता है, इसकी कमी होने पर त्वचा पर रैशेज, खुजली और कभी-कभी घाव तक हो सकते हैं। विटामिन ई और विटामिन सी की कमी भी त्वचा की सेहत को प्रभावित करती है और खुजली की समस्या को बढ़ा सकती है। इन विटामिन्स की कमी से स्किन की नमी खत्म होने लगती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ती है। खुजली से तुरंत राहत पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय भी कारगर साबित हो सकते हैं। कैलामाइन लोशन लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली शांत होती है। त्वचा विशेषज्ञ भी इसे सुरक्षित और असरदार उपाय मानते हैं। इसके अलावा लैवेंडर, पेपरमिंट और यूकेलिप्टस जैसे ईथर के तेल खुजली और सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं। इन्हें किसी कैरियर ऑयल या क्रीम में मिलाकर लगाने से बेहतर असर मिलता है। वहीं, आइस पैक या बर्फ के टुकड़ों को कपड़े में लपेटकर प्रभावित हिस्से पर लगाने से भी तुरंत राहत मिलती है। इससे त्वचा की जलन और सूजन कम होती है। अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

जापान और अमेरिका के वैज्ञानिकों का दावा

खास प्रोटीन से कोशिकाओं को फिर से किया जा सकता है जवान

यूनिक समय, नई दिल्ली। उम्र बढ़ना अब तक जीवन का अटल सच माना जाता रहा है, लेकिन आधुनिक विज्ञान इस प्रक्रिया को धीमा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालिया वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया कोशिकाओं (सेल्स) के स्तर पर होती है और यदि इन्हें स्वस्थ व सक्रिय रखा जाए, तो शरीर लंबे समय तक फिट और जवान बना रह सकता है। इस दिशा में सबसे अहम खोज साल 2006 में जापान के वैज्ञानिक शिन्या यामानाका ने की थी। उन्होंने कुछ विशेष प्रोटीन की पहचान की, जिन्हें आज यामानाका फैक्टर्स कहा जाता है। ये प्रोटीन वयस्क कोशिकाओं को फिर से शुरुआती, यानी जवान अवस्था में ले जाने की क्षमता रखते हैं। इस ऐतिहासिक खोज के लिए शिन्या यामानाका को नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। इसके बाद अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. डेविड सिंक्लेयर ने इस रिसर्च को आगे बढ़ाया। उनकी टीम ने उम्रदराज और दृष्टिहीन चूहों पर प्रयोग किए। जब यामानाका फैक्टर्स को चूहों की आंखों में डाला गया, तो कुछ समय बाद उनकी आंखों की रोशनी लौट आई। इतना ही नहीं, रिसर्च में यह भी सामने आया कि इन चूहों के लिवर, किडनी और मांसपेशियों की कार्यक्षमता में भी सुधार हुआ। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज भविष्य में इंसानों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। डॉ. सिंक्लेयर के अनुसार, आने वाले 10 वर्षों में ऐसी दवाएं या उपचार विकसित हो सकते हैं, जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद करें।

हालांकि, अभी इंसानों पर इसका व्यापक इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है। वैज्ञानिक यह भी साफ करते हैं कि 200 साल तक जीना फिलहाल संभव नहीं है, लेकिन इस रिसर्च के जरिए स्वस्थ जीवन को लंबा और बेहतर जरूर बनाया जा सकता है। विज्ञान की यह दिशा भविष्य में उम्र और सेहत को लेकर हमारी सोच बदल सकती है।

फरवरी में घूमने की बेस्ट जगहें

सुहावने मौसम में ट्रैवल का परफेक्ट टाइम

यूनिक समय, नई दिल्ली। फरवरी का महीना घूमने-फिरने के लिए सबसे बेहतरीन माना जाता है। इस दौरान न कड़ाके की ठंड सताती है और न ही तेज गर्मी परेशान करती है।

यही वजह है कि चाहे हिल स्टेशन हों या फिर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शहर-हर तरह की जगहों को एक्सप्लोर करने के लिए फरवरी एकदम सही समय है। अगर आप परिवार या दोस्तों के साथ ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में जरूर शामिल करें।

कच्छ, गुजरात - संस्कृति और उत्सव का रंग: फरवरी में गुजरात का कच्छ घूमने के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। इस दौरान यहां रण उत्सव का आयोजन होता है, जो करीब दो महीने तक चलता है। इस फेस्टिवल में लोक संगीत, डांस, हैंडीक्राफ्ट और गुजराती संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। इसके अलावा आप कच्छ के रण, वाइल्डलाइफ सैन्चुरी और आसपास के गांवों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

लाचेन, सिक्किम - बर्फबारी का जादू: अगर आप बर्फ से ढके पहाड़ों और शांत माहौल का आनंद लेना चाहते हैं, तो सिक्किम का लाचेन आपके लिए परफेक्ट है। फरवरी में यहां बर्फबारी देखने को मिल सकती है। पास का लाचुंग, लाचुंग मोनेस्ट्री, लेप्चा जनजाति की संस्कृति और युमे सैमडोंग ट्रैक इस जगह को और खास बनाते हैं। इसका नजदीकी एयरपोर्ट गुवाहाटी है।

आगरा, उत्तर प्रदेश - इतिहास के बीच रोमांटिक मौसम: दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए आगरा एक परफेक्ट वीकेंड ट्रिप है। फरवरी में ताजमहल घूमने का मजा दोगुना हो जाता है क्योंकि मौसम काफी आरामदायक होता है। ताजमहल के साथ-साथ आप आगरा किला और फतेहपुर सीकरी भी देख सकते हैं।

खजुराहो, मध्य प्रदेश - कला और विरासत का संगम: कला और इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए खजुराहो बेस्ट ऑप्शन है। फरवरी में यहां का मौसम घूमने के लिए अनुकूल रहता है। खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, पन्ना नेशनल रिजर्व, रनेह वॉटरफॉल और अजिगढ़ का किला यहां के मुख्य आकर्षण हैं।

मनाली, हिमाचल प्रदेश - बर्फीली वादियों का सुकून: अगर आपको बर्फीली पहाड़ियां पसंद हैं, तो मनाली का प्लान जरूर बनाएं। फरवरी में कई बार ताजा बर्फबारी देखने को मिल जाती है। कुल्लू-मनाली की वादियां सफेद चादर में लिपटी नजर आती हैं, जो ट्रैवलर्स को खूब आकर्षित करती हैं।

सूजी-दही से तैयार करें हेल्दी अप्पे, वजन घटाने वालों के लिए परफेक्ट नाश्ता

यूनिक समय, मथुरा। अगर नाश्ते में कुछ हेल्दी और टेस्टी खाने की तलाश है, तो सूजी और दही से बने अप्पे बेहतरीन विकल्प हैं। यह नाश्ता न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि वजन घटाने वालों के लिए भी पूरी तरह उपयुक्त माना जाता है। सबसे खास बात यह है कि अप्पे बहुत कम तेल में बन जाते हैं और इन्हें बनाना भी बेहद आसान है।

सूजी अप्पे तैयार करने के लिए एक कप सूजी में गाढ़ा दही और थोड़ा पानी मिलाकर 15-20 मिनट के लिए भिगो दिया जाता है। इसके बाद इसमें बारीक कटी सब्जियां जैसे प्याज, गाजर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च और हरा धनिया मिलाया जाता है। स्वादानुसार नमक डालकर घोल तैयार किया जाता है। अप्पे बनाने से ठीक पहले इसमें ईनो या बेकिंग पाउडर मिलाया जाता है, जिससे अप्पे नरम और फूले हुए बनते हैं। अप्पे मेकर को हल्का ग्रीस कर घोल डालें और दोनों तरफ से सेंक लें। कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट अप्पे तैयार हो जाते हैं। चाहें तो ऊपर से राई और करी पत्ता का हल्का तड़का भी लगाया जा सकता है। कम तेल और पौष्टिक सामग्री की वजह से यह नाश्ता बच्चों से लेकर वेट लॉस करने वालों तक सभी के लिए फायदेमंद है।

बिना दवा 90 किलो वजन घटाने वाले रैपर जैली रोल

यूनिक समय, नई दिल्ली। वजन घटाने के लिए आजकल लोग तरह-तरह की दवाओं का सहारा ले रहे हैं, लेकिन इनके साइड इफेक्ट्स भी कम नहीं हैं। ऐसे में अमेरिकी रैपर और ग्रैमी अवॉर्ड विजेता जैली रोल की कहानी लोगों के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है। जैली रोल ने बिना किसी वजन घटाने वाली दवा के करीब 90 किलो वजन कम किया है। इसके पीछे उनकी बदली हुई लाइफस्टाइल, मजबूत सोच और नियमित एक्सरसाइज का बड़ा योगदान रहा। जैली रोल ने बताया कि उनके मोटापे की सबसे बड़ी वजह फूड एडिक्शन था। उन्होंने स्वीकार किया कि खाने की लत छोड़ना उतना ही मुश्किल था, जितना नशे की लत से बाहर आना। 2026 ग्रैमी अवॉर्ड्स से जुड़े एक प्रेस इवेंट में उन्होंने कहा कि खाने की क्रेविंग को कंट्रोल करने के लिए उन्हें खुद पर कड़ा नियंत्रण रखना पड़ा। इस चुनौती से निपटने के लिए जैली रोल ने थेरेपी का सहारा लिया।

वॉक- रनिंग और लाइफस्टाइल बनी फिटनेस की कुंजी

थेरेपी के जरिए उन्होंने यह समझने की कोशिश की कि वे जरूरत से ज्यादा क्यों खाते हैं और हर वक्त खाने के बारे में सोचते क्यों रहते हैं। दवाओं पर निर्भर होने के बजाय उन्होंने अपनी आदतों और दिनचर्या में बदलाव पर फोकस किया। जैली रोल के वजन घटाने के सबसे बड़े हथियार दो चीजें रहीं-चलना और दौड़ना। उन्होंने हफ्ते में चार से छह दिन रोजाना दो से तीन मील तक वॉक और रनिंग की। शुरुआती दौर में उन्होंने करीब 31 किलो वजन कम किया और लगातार प्रयास से कुल 90 किलो वजन घटाने में सफल रहे। अब जैली रोल खुद को पहले से कहीं ज्यादा फिट, एक्टिव और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस कर रहे हैं।

सुविचार

तुम्हारे सपनों का सूरज तभी उगेगा जब तुम खुद अपनी सुबह बनोगे ।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	11:09-08:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरा फाल्गुनी	03:27-01:34 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		07:12 AM	चन्द्रोदय	04:17 PM
सूर्यास्त		06:10 PM	चंद्रास्त	06:39 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त		12:09PM -12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:34-06:22
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		02:03 AM-03:26 AM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

शनि ढैय्या से पीड़ित राशियों के लिए खुशखबरी

छह फरवरी से शुरू होगा भाग्य का 'गोल्डन समय'

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में शनि को कर्म, अनुशासन और न्याय का ग्रह माना जाता है। शनि ढैय्या का नाम सुनते ही अधिकतर लोग घबरा जाते हैं, लेकिन यह हमेशा नकारात्मक ही हो, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार शनि ढैय्या व्यक्ति को संघर्ष के बाद बड़ी सफलता भी दिलाती है। अब शनि ढैय्या से प्रभावित दो राशियों के लिए राहत भरी खबर सामने आ रही है। छह फरवरी से इन राशियों का गोल्डन समय शुरू होने वाला है। इस दिन शुक्र कुंभ राशि में गोचर करेंगे और सूर्य धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इन दोनों ग्रहों के संयोग से शनि ढैय्या झेल रही राशियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। शनि ढैय्या तब लगती है जब शनि चंद्र राशि से चौथे या आठवें भाव में गोचर करता है। इसका प्रभाव लगभग ढाई साल तक रहता है। इस दौरान व्यक्ति को मानसिक दबाव, कार्यों में रुकावट और धैर्य की परीक्षा से गुजरना पड़ता है। हालांकि यदि कुंडली में ग्रहों की स्थिति अनुकूल हो, तो यही ढैय्या व्यक्ति को मजबूत बनाकर सफलता के शिखर तक पहुंचा सकती है। वर्तमान समय में धनु और सिंह राशि पर शनि ढैय्या का प्रभाव चल रहा है। फरवरी में होने वाले ग्रह गोचर इन दोनों राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होने वाले हैं।

धनु राशि- मेहनत रंग लाएगी, मिलेगा धन और सम्मान। धनु राशि वालों के लिए फरवरी का महीना किसी वरदान से कम नहीं रहेगा। शनि ढैय्या के बावजूद ग्रहों की चाल आपके पक्ष में होती दिखाई दे रही है। इस दौरान आपको अचानक धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। लंबे समय से अटके हुए प्रोजेक्ट्स दोबारा गति पकड़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां और प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में निवेश से बड़ा मुनाफा होने की संभावना है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से भी समय अच्छा रहेगा और पुरानी बीमारियों से राहत मिल सकती है। कुल मिलाकर, मेहनत का पूरा फल मिलने वाला समय है।

सिंह राशि- सफलता, प्रतिष्ठा और विदेश यात्रा के योग। सिंह राशि वालों के लिए फरवरी का महीना बेहद शुभ रहेगा। भले ही शनि ढैय्या चल रही हो, लेकिन ग्रहों की स्थिति आपके आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता को मजबूत करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने के योग हैं। बाजार और समाज में आपकी साख और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़ी प्रॉपर्टी खरीदने या निवेश करने के संकेत मिल रहे हैं। इसके साथ ही विदेश यात्रा या विदेश में काम करने का सपना भी पूरा हो सकता है। शनि ढैय्या को डरने की नहीं, समझने की जरूरत है। छह फरवरी से शुरू होने वाले ग्रह गोचर धनु और सिंह राशि वालों के लिए नए अवसर, धन लाभ और सफलता लेकर आ रहे हैं। यदि आप भी इन राशियों में से हैं, तो धैर्य रखें और मेहनत जारी रखें-क्योंकि अब आपका गोल्डन समय शुरू होने वाला है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 5 फरवरी, दिन बृहस्पतिवार : द्विजप्रिय संकष्टी
- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

कल का राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों के लिए का दिन 'सुपर–एक्टिव' रहने वाला है। आपके राशि स्वामी मंगल देव कर्म भाव में उच्च के हैं, जिसका अर्थ है कि आप जो भी ठान लेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातकों के लिए का दिन 'संयम और सफलता' का है। भाग्य भाव में बैठे शुक्र, सूर्य और मंगल आपको एक शाही अनुभव कराएंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोग काफी 'स्मार्ट और कूटनीतिक' मूड में रहेंगे। बुध देव की कृपा से आपकी बोलने की कला आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों के लिए का दिन अपनी 'इनर स्ट्रेंथ' को पहचानने का है। राशि स्वामी चंद्रमा धन भाव में हैं, जो पारिवारिक सुख और धन लाभ के द्वार खोल रहे हैं। आप दूसरों की मदद के लिए तैयार रहेंगे, जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह राशि: सिंह राशि के लोगों के लिए का दिन 'किंग' की तरह शासन करने का है। चंद्रमा आपकी ही राशि में गोचर कर रहे हैं, जो आपके व्यक्तित्व में एक अलग ही तेज और आकर्षण पैदा करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों के लिए का दिन 'डिसिप्लिन और एनालिसिस' का है। बुध की कृपा से आपकी मैनेजमेंट स्किल्स चरम पर होंगी। आप सबसे कठिन फाइलों और उलझे हुए कामों को भी सुलझा लेंगे।

तुला राशि: वालों का मन समाज कल्याण और रिश्तों में सामंजस्य बिठाने में लगेगा। आपकी कूटनीतिक सोच घर और दफ्तर के बीच एक परफेक्ट बैलेंस बनाने में मदद करेगी। करियर में सुबह से ही कुछ अच्छे समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वाले पूरी तरह 'एक्शन मोड' में रहेंगे। राशि स्वामी मंगल का उच्च का होना आपको एक अजेय योद्धा की तरह महसूस कराएगा। आप अपने लक्ष्यों की ओर बहुत तेजी से बढ़ेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वाले 'सफलता के शिखर' पर नजर आएंगे। आपकी राशि में मंगल देव का उच्च का होना आपको एक ऐसी शक्ति दे रहा है कि आप पर्वत को भी हिलाने का दम रखते हैं। आपकी कार्यक्षमता सबको प्रभावित करेगी।

धनु राशि: धनु राशि के जातकों के लिए का दिन 'सोच-विचार और भविष्य की प्लानिंग' का है। वक्री बृहस्पति आपको अपनी पिछली गलतियों से सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहे हैं।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों के लिए का दिन 'इनोवेशन और बदलाव' का है। आपके अपने विचार सबको चौका सकते हैं। बुध और राहु की युति आपको बहुत शार्प बनाएगी।

मीन राशि: मीन राशि के लोगों के लिए का दिन 'सपनों को हकीकत में बदलने' का है। आपकी इन्टूशन बहुत ही सटीक काम करेगी, जिससे आप आने वाली बाधाओं को पहले ही भांप लेंगे।

ब्रह्मसरोवर की मासिक परिक्रमा में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्मसरोवर में आयोजित मासिक परिक्रमा के दौरान भक्ति और उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। श्रीकृष्ण कृपा गोशाला सेवा समिति की ओर से आयोजित इस परिक्रमा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। परिक्रमा का शुभारंभ स्वामी ज्ञानानंद की प्रेरणा से सर्वेश्वर महादेव मंदिर के सामने से किया गया।

कृपा बिहारी जी की पावन पालकी के साथ निकली ब्रह्मसरोवर परिक्रमा में श्रद्धालु राधा–कृष्ण के भजनों पर झूमते और नृत्य करते नजर आए। पूरे मार्ग में "राधे–राधे" और "हरे कृष्ण" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु ठाकुर जी की पालकी के समक्ष भावविभोर होकर नृत्य करते दिखे, जिससे परिक्रमा एक आध्यात्मिक उत्सव में बदल गई। परिक्रमा के दौरान महिला मंडल की ओर से प्रस्तुत भावपूर्ण भजनों ने श्रद्धालुओं को गहरे भक्ति भाव से भर दिया। राधा–कृष्ण भाव के भजनों ने पूरे ब्रह्मसरोवर क्षेत्र को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। श्री कृष्ण कृपा गोशाला सेवा समिति के प्रधान सुनील वत्स ने जानकारी दी कि होली पर्व के उपलक्ष्य में 7 से 21 फरवरी तक नगर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिदिन सुबह पांच से सात बजे तक प्रभातफेरियों का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात 25 फरवरी से 3 मार्च तक गोशाला परिसर में गो सेवा को समर्पित श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा।

सिर की छोटी- शिखा में छिपा है सनातन ज्ञान का रहस्य, जानिए क्यों सदियों से निभाई जा रही है यह परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय सनातन परंपरा में अनेक ऐसे प्रतीक और आचार हैं, जिन्हें हम रोज देखते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपे गहरे अर्थ को समझने का प्रयास कम ही करते हैं। उन्हीं प्रतीकों में से एक है शिखा बंधन। सनातन धर्मावलंबियों, विशेषकर ब्राह्मणों द्वारा सिर के पीछे रखी जाने वाली यह छोटी-सी चोटी केवल बालों का गुच्छा नहीं है, बल्कि इसके पीछे धर्म, अनुशासन, आत्मसंयम, विज्ञान और स्वास्थ्य से जुड़े अनेक रहस्य छिपे हुए हैं।

वैदिक काल से लेकर आज तक शिखा को सनातन जीवनशैली का एक महत्वपूर्ण अंग माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, शिखा व्यक्ति को उसके कर्तव्यों, मर्यादाओं और जीवन उद्देश्य की निरंतर याद दिलाती है। **शिखा क्या है?** केवल चोटी नहीं, बल्कि चेतना का प्रतीक, भारतीय परंपरा में सिर के पीछे, ब्रह्मरंध्र के पास रखी जाने वाली चोटी को शिखा कहा जाता है। इसे सामान्य हेयरस्टाइल नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रतीक माना गया है। शिखा का स्थान भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मस्तिष्क के उस भाग के समीप होती है जिसे योग और आयुर्वेद में चेतना और ऊर्जा का केंद्र माना गया है। शिखा यह संकेत देती है कि व्यक्ति ने धर्म, अध्ययन, संयम और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को स्वीकार कर लिया है।

वैदिक और शास्त्रीय परंपरा में शिखा का महत्व- वेदों, गृह्यसूत्रों, धर्मसूत्रों और स्मृतियों में शिखा का स्पष्ट उल्लेख मिलता है।

आपस्तंब गृह्यसूत्र, मनुस्मृति और बौधायन धर्मसूत्र में ब्राह्मणों के लिए शिखा धारण करना आवश्यक बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, शिखा केवल बाहरी पहचान नहीं थी, बल्कि यह व्यक्ति के आचरण, चरित्र और जीवन अनुशासन का प्रतीक थी। इसका अर्थ यह नहीं था कि व्यक्ति केवल अलग दिखे, बल्कि यह संकेत था कि वह ज्ञान, संयम और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प ले चुका है।

धार्मिक दृष्टि से शिखा बंधन का कारण- धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिखा ब्रह्मा, विष्णु और महेश–तीनों का प्रतीक मानी जाती है। कई ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि पूजा, जप, हवन और संध्यावंदन जैसे कर्म बिना शिखा के अधूरे माने जाते हैं। शिखा यह स्मरण कराती है कि व्यक्ति को हर समय धर्म, सत्य और मर्यादा के अनुसार आचरण करना चाहिए। यही कारण है कि शिखा बांधते समय मंत्रोच्चार का विधान रखा गया, जिससे व्यक्ति मानसिक रूप से अपने कर्तव्यों के प्रति सजग बना रहे।

सामाजिक और नैतिक अनुशासन का प्रतीक- प्राचीन भारतीय समाज में शिखा व्यक्ति की सामाजिक भूमिका को भी दर्शाती थी। शिखाधारी व्यक्ति से अपेक्षा की जाती थी कि वह संयमित, मर्यादित और आचरण में श्रेष्ठ होगा। शिखा एक प्रकार से समाज के प्रति यह घोषणा थी कि व्यक्ति ज्ञान, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उसे हर क्षण आत्मसंयम और आत्मनियंत्रण की याद दिलाती थी।

आधुनिक विज्ञान के अनुसार, सिर के जिस स्थान पर शिखा रखी जाती है, वह मस्तिष्क का अत्यंत संवेदनशील भाग होता है। इसे योगशास्त्र में ब्रह्मरंध्र कहा गया है। मान्यता है कि इस स्थान पर शिखा बांधने से, मानसिक एकाग्रता बढ़ती है, स्मरण शक्ति मजबूत होती है, ध्यान और साधना में सहायता मिलती है, योग और ध्यान की कई विधाओं में भी सिर के इस भाग को ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना गया है।

सम्पादकीय

वित्त आयोग का झटका, पहाड़ी राज्य की बढ़ी मुश्किलें

हिमाचल प्रदेश इस समय ऐसे वित्तीय संकट से गुजर रहा है, जिसे सामान्य आर्थिक उतार-चढ़ाव कहकर टाला नहीं जा सकता। जिस वित्त आयोग के माध्यम से पहाड़ी राज्यों को आर्थिक ऑक्सीजन मिलती थी, उसी व्यवस्था में बदलाव कर केंद्र सरकार ने हिमाचल को गहरे असमंजस और संकट में ला खड़ा किया है। पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा दी जा रही रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट आरडीजी को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना, राज्य के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। पंद्रहवें वित्त आयोग ने पांच वर्षों में हिमाचल प्रदेश को लगभग 49 हजार करोड़ रुपये की सहायता रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट के रूप में दी थी। यह सहायता पहाड़ी राज्य की बुनियादी जरूरतों, कर्मचारियों के वेतन, विकास योजनाओं और सामाजिक ढांचे को संभालने का आधार बनी हुई थी। लेकिन अब इस ग्रांट को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है, जिससे राज्य की वित्तीय व्यवस्था नाखून चबाने की स्थिति में पहुंच गई है। यदि केंद्र सरकार हिमाचल जैसे छोटे और पर्वतीय राज्यों को वित्तीय अनुशासन का पाठ पढ़ाना चाहती है, तो पहले यह तय करना होगा कि मिलकीयत और संसाधनों पर राज्य के अधिकार क्या हैं। आत्मनिर्भरता का रास्ता जरूर है, लेकिन इसके लिए जल, जंगल और जमीन जैसे संसाधनों पर राज्य के हक को स्वीकार करना अनिवार्य है। यह केवल अनुदान की लड़ाई नहीं, बल्कि अधिकारों की लड़ाई है। हिमाचल प्रदेश की असली संपत्ति उसके जलाशय, नदियां, जंगल और पर्वत हैं। पौंग डैम, गोविंद सागर और अन्य जल विद्युत परियोजनाएं देश के मैदानी राज्यों की प्यास बुझा रही हैं, लेकिन बदले में हिमाचल को आज भी आर्थिक ठेंगा दिखाया जा रहा है। विस्थापितों का दर्द आज तक नहीं सुलझा और सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे पानी से राज्य को आर्थिक संबल नहीं मिल सका। राज्य जब वाटर सेस जैसे आत्मनिर्भर कदम उठाने की कोशिश करता है, तो केंद्र सरकार उसे रोक देती है। सवाल यह है कि आखिर केंद्र तोल क्या रहा है? क्या प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने वाले राज्यों को केंद्रीय बजट और वित्त आयोग की सिफारिशों में केवल शून्यता ही मिलेगी? विडंबना यह है कि मैदानी राज्यों की सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्र के खजाने खुले रहते हैं, लेकिन पहाड़ी राज्यों के लिए संवेदनशीलता गायब नजर आती है। ऐतिहासिक उदाहरणः जब केंद्र ने हिमाचल को ताकत दी। इतिहास गवाह है कि जब केंद्र सरकारों ने हिमाचल को उसके अधिकार दिए, तो राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। शांता कुमार के मुख्यमंत्रित्व काल में कांग्रेस सरकार से मुफ्त बिजली की रॉयल्टी लाई गई। प्रेम कुमार धूमल के समय अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर प्रदेश की उत्पादन क्षमता को नई दिशा दी। रेल कनेक्टिविटी, पर्यटन और विशेष विकास पैकेज भी उसी सोच का परिणाम थे। आज उस दृष्टि का पूरी तरह अभाव दिखाई देता है। हिमाचल के अधिकार केवल आज नहीं छीने जा रहे, बल्कि पंजाब पुनर्गठन से जुड़े कई अधिकार आज भी सड़ रहे हैं। शानन विद्युत परियोजना की मिलकीयत को लेकर अपमान की स्थिति बनी हुई है। यदि यह सब न्याय है, तो फिर न्याय का राष्ट्रीय चरित्र क्या है? एक समय था जब पहाड़ी युवा सेना भर्ती में अग्रणी रहते थे। आज हालात यह हैं कि कोटे में सामर्थ्य घट रही है।

पवन गौतम

नजरिया

पाकिस्तानी जेल में सात साल का जुल्म, बहन के संघर्ष से मिली आजादी

घर लौटने की खुशी के बीच आर्थिक बेबसी, लेकिन उम्मीद की जीत

– मंगल यादव

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के छोटे से गांव खैरलांजी से जुड़ी यह कहानी केवल एक व्यक्ति की रिहाई की नहीं है, बल्कि भाई-बहन के अटूट रिश्ते, संघर्ष, इंतजार और उम्मीद की मिसाल है। सात वर्षों तक पाकिस्तानी जेल में अमानवीय हालात झेलने के बाद जब प्रसन्नजीत रंगारी की रिहाई की खबर आई, तो पूरा परिवार भावुक हो उठा।

लेकिन आजादी की यह खुशी पूरी तरह मुकम्मल नहीं थी, क्योंकि घर लौटने के लिए पैसे तक नहीं थे। ऐसे में बहन संघमित्रा की वर्षों की मेहनत और संघर्ष एक बार फिर काम आया।

31 जनवरी 2026 को पाकिस्तान सरकार ने सात भारतीय कैदियों को रिहा किया। इन्हीं में एक नाम था - प्रसन्नजीत रंगारी, जो पिछले सात वर्षों से पाकिस्तान की जेल में 'सुनील अदे' के नाम से बंद थे। 1 फरवरी को दोपहर करीब एक बजे खैरलांजी पुलिस से जैसे ही यह सूचना परिवार को मिली, घर में सन्नाटा टूट गया। वर्षों से जिस बेटे और भाई को मरा मान लिया गया था, वह जीवित है और भारत लौट रहा है–यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। इसके बाद अमृतसर से एक फोन आया। फोन उठाते ही संघमित्रा की आंखों से आंसू बहने लगे। सात साल बाद उन्होंने अपने भाई की आवाज सुनी। वह पल केवल एक कॉल नहीं था, बल्कि सात वर्षों के दर्द, दुआओं और संघर्ष का जवाब था। संघमित्रा को यकीन हो गया कि उसका भाई सच में लौट रहा है। प्रसन्नजीत रंगारी पढ़ाई में तेज था। परिवार ने कर्ज लेकर उसे जबलपुर के गुरु रामदास खालसा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बी. फार्मेसी की पढ़ाई करवाई। 2011 में उसने एमपी स्टेट फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रेशन भी कराया। परिवार को उम्मीद थी कि बेटा आगे बढ़ेगा और घर की हालत सुधरेगी। लेकिन किस्मत ने करवट ली।

पढ़ाई के बाद प्रसन्नजीत की मानसिक स्थिति बिगड़ने लगी। वह चिड़चिड़ा रहने लगा, बात-बात पर गुमसुम हो जाता। इसी मानसिक असंतुलन के कारण उसने पढ़ाई छोड़ दी और घर लौट आया। परिवार इलाज तो कराना चाहता था, लेकिन आर्थिक हालात कमजोर थे। मां बेटे की हालत को लेकर हमेशा चिंतित रहती थी।

साल 2017–18 में प्रसन्नजीत अचानक घर

से लापता हो गया। परिवार ने हर जगह तलाश की। कुछ समय बाद वह बिहार से लौट आया, जिससे परिवार को राहत मिली।

लेकिन 2019 में वह दोबारा लापता हो गया, और इस बार उसका कोई सुराग नहीं मिला। महीनों तक खोजबीन के बाद भी जब कोई जानकारी नहीं मिली तो परिवार ने उसे मृत मान लिया। दिसंबर 2021 में अचानक एक फोन कॉल आया, जिसने परिवार की दुनिया हिला दी। बताया गया कि प्रसन्नजीत पाकिस्तान की जेल में बंद है। यह खबर जितनी चौंकाने वाली थी, उतनी ही दर्दनाक भी। एक ओर जिंदा होने की खुशी, दूसरी ओर पाकिस्तानी जेल में बंद होने का डर। जानकारी सामने आई कि 1 अक्टूबर 2019 को प्रसन्नजीत को पाकिस्तान के बाटापुर इलाके से हिरासत में लिया गया था। वह वहां 'सुनील अदे' के नाम से बंद था। माना जा रहा है कि मानसिक असंतुलन के चलते वह अनजाने में सीमा पार कर गया।

2021 के बाद से संघमित्रा ने अपने भाई की वतन वापसी के लिए संघर्ष शुरू किया। वह थाने, कलेक्टर कार्यालय, नेताओं, सांसदों, विधायकों और मंत्रालयों के चक्कर काटती रही। कई बार उसे अपमान भी सहना पड़ा, लेकिन उसने हार नहीं मानी। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल था, ऐसे में कानूनी लड़ाई और यात्राएं आसान नहीं थीं। संघमित्रा कई बार रोते-रोते अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाई, लेकिन हर बार उसे सिर्फ आश्वासन ही मिला। रक्षाबंधन पर भाई को जेल में राखी भेजने की खबर ने पूरे देश को भावुक कर दिया। यह दृश्य भाई-बहन के रिश्ते की ताकत का प्रतीक बन गया। प्रसन्नजीत के लापता होने के बाद उसके पिता लोपचंद रंगारी सदमे में चले गए। बेटे की हालत और अनिश्चित भविष्य की चिंता ने उनकी सेहत तोड़ दी और कुछ समय बाद उनका निधन हो गया। वह बेटे को लौटते हुए नहीं देख सके। सात साल बाद 31 जनवरी को पाकिस्तान ने सात भारतीय कैदियों को रिहा किया। प्रसन्नजीत रंगारी का नाम भी उस सूची में था। परिवार के लिए यह खबर किसी त्योहार से कम नहीं थी। रिहाई के बाद प्रसन्नजीत को अटारी–वाघा बॉर्डर से इमिग्रेशन प्रक्रिया के बाद अमृतसर लाया गया। वह फिलहाल रेड क्रॉस भवन, मजीठा रोड और गुरु नानक देव अस्पताल में है। लेकिन एक नई समस्या सामने आई–उसे घर लाने के लिए पैसे नहीं थे। संघमित्रा ने फिर से मदद की गुहार लगाई। इस बार समाजसेवियों और कुछ सहयोगियों ने आगे बढ़कर मदद की। अब जीजा राजेश अन्य सहयोगियों के साथ अमृतसर जाकर प्रसन्नजीत को घर लाने की तैयारी कर रहे हैं। मां के चेहरे पर बेटे के लौटने की खुशी साफ दिख रही है, लेकिन वर्षों की यातना और बेटे की मानसिक स्थिति को लेकर चिंता भी है। फिर भी, सात साल बाद बेटे को देखने की आस ने मां को फिर से जीने की ताकत दी है। प्रसन्नजीत की रिहाई सिर्फ एक व्यक्ति की आजादी नहीं है। यह कहानी बताती है कि संघर्ष, प्रेम और रिश्तों की ताकत सीमाओं और जेल की दीवारों से भी बड़ी होती है।

सवाल जो अब भी बाकी हैं

सीमा पार कैसे पहुंचा प्रसन्नजीत? सात साल की कैद का जिम्मेदार कौन? मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या सुरक्षा है? खैरलांजी के इस छोटे से घर में अब उम्मीद ने फिर से दस्तक दी है। एक बहन ने साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो सबसे मुश्किल जंग भी जीती जा सकती है। प्रसन्नजीत की घर वापसी सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि इंसानियत, संघर्ष और प्रेम की अमर कहानी है।

विचार विण्डो

शब्द बदला, नीति बदली? नीलगाय पर रोक के पीछे सरकार की बड़ी रणनीति

– प्रदीप वर्मा

बिहार सरकार ने एक अहम और संवेदनशील फैसला लेते हुए प्रशासनिक और सरकारी स्तर पर 'नीलगाय' शब्द के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। अब राज्य में इस जानवर को 'घोड़ पड़ास' या 'नील बकरी' के नाम से संबोधित किया जाएगा। इस फैसले की जानकारी बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने विधानसभा में दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी दस्तावेजों, योजनाओं, प्रश्नोत्तर और प्रशासनिक संवाद में 'नीलगाय' शब्द का प्रयोग नहीं किया जाएगा। सरकार का मानना है कि 'नीलगाय' शब्द से धार्मिक और भावनात्मक जुड़ाव पैदा होता है, जिससे इसके नियंत्रण और प्रबंधन में व्यवहारिक दिक्कतें आती हैं। नए नामों के प्रयोग से इस जानवर को फसल नुकसान पहुंचाने वाले वन्य जीव के रूप में देखा जाएगा, न कि आस्था से जुड़े प्रतीक के रूप में। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने सदन में कहा कि यह केवल नाम बदलने का निर्णय नहीं है, बल्कि यह किसानों की पीड़ा, सामाजिक संवेदनशीलता और प्रशासनिक व्यावहारिकता से जुड़ा हुआ मुद्दा है। उन्होंने कहा- "नीलगाय शब्द के प्रयोग से लोगों की धार्मिक भावनाएं जुड़ जाती हैं, जिससे इसके नियंत्रण को लेकर भ्रम और विरोध पैदा होता है। 'घोड़ पड़ास' या 'नील बकरी' कहना समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए समस्या के समाधान की दिशा में एक जरूरी कदम है।" उन्होंने यह भी बताया कि यह फैसला किसानों के हित में लिया गया है, ताकि फसल नुकसान से जुड़े मामलों में प्रशासन प्रभावी और स्पष्ट कार्रवाई कर सके।

नीलगाय नाम में 'गाय' शब्द होने के कारण ग्रामीण इलाकों में इसे लेकर धार्मिक भावनाएं जुड़ी रहती हैं। कई लोग इसे गाय का रूप मान लेते हैं, जबकि जैविक रूप से यह एशियाई मृग प्रजाति का जानवर है,

जिसका गाय से सीधा संबंध नहीं है। इसी कारण जब सरकार या प्रशासन इसके नियंत्रण, पकड़ या मारने जैसे कदम उठाता है, तो कई जगहों पर सामाजिक विरोध और भ्रम की स्थिति बन जाती है। सरकार का कहना है कि नाम परिवर्तन से इस जानवर को लेकर स्पष्ट पहचान और व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित होगा। बिहार के कई जिलों में घोड़ पड़ास (नीलगाय) किसानों के लिए एक बड़ी मुसीबत बन चुका है। यह जानवर झुंड में चलता है और कुछ ही घंटों में एकड़ की एकड़ फसल बर्बाद कर देता है। खासकर गेहूं, धान, मक्का, दलहन और सब्जी की फसलें इनके निशाने पर रहती हैं। राज्य के ग्रामीण इलाकों में हालात ऐसे हैं कि किसान अपनी पकती फसल की रखवाली के लिए रात–रात भर खेतों में जागने को मजबूर हैं। फिर भी कई बार मेहनत पर पानी फिर जाता है। किन जिलों में सबसे ज्यादा है समस्या? सरकारी आंकड़ों के मुताबिक बिहार के कई जिलों में घोड़ पड़ास और जंगली सूअरों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुकी है। इनमें प्रमुख जिले हैं–वैशाली, पूर्वी चंपारण, बक्सर, सीवान, समस्तीपुरै।

अनुमान है कि इन जिलों में घोड़ पड़ास की संख्या लगभग 3 लाख तक पहुंच चुकी है, जबकि जंगली सूअरों की आबादी करीब 67 हजार है। ये दोनों ही जानवर झुंड में चलते हैं और खेती को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। फसल नुकसान को देखते हुए बिहार सरकार ने कई इलाकों में नीलगाय (घोड़ पड़ास) को नियंत्रित करने के लिए विशेष अभियान शुरू किए हैं। कुछ जिलों में सरकार ने शूटर तक हायर किए हैं, ताकि नियंत्रित तरीके से इन जानवरों की संख्या कम की जा सके। हालांकि, इस तरह के कदमों को लेकर पहले धार्मिक और सामाजिक संगठनों की ओर से विरोध भी सामने आता रहा है। सरकार का मानना है कि नाम परिवर्तन से इस तरह के विरोध में कमी आएगी और प्रशासनिक कार्रवाई आसान होगी। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने यह भी साफ किया कि यह फैसला केवल बोलचाल तक सीमित नहीं रहेगा। अब-सरकारी योजनाओं, वन विभाग की रिपोर्ट, विधानसभा प्रश्न–उत्तर, प्रशासनिक आदेश, सभी जगह 'नीलगाय' की जगह 'घोड़ पड़ास' या 'नील बकरी' शब्द का ही इस्तेमाल किया जाएगा। इससे नीति निर्धारण और क्रियान्वयन में एकरूपता आएगी। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि नाम बदलने से समस्या का समाधान तभी होगा, जब इसके साथ वैज्ञानिक प्रबंधन नीति भी लागू की जाए। उनका कहना है कि– नसबंदी कार्यक्रम, संरक्षित क्षेत्रों का विकास, फसल-सुरक्षा के वैकल्पिक उपाय, इन पर भी समानांतर काम जरूरी है, वरना केवल नाम बदलने से जमीनी समस्या खत्म नहीं होगी। किसान संगठनों ने सरकार के इस फैसले का मिश्रित लेकिन सकारात्मक स्वागत किया है।

उनका कहना है कि अगर नाम परिवर्तन से प्रशासन की कार्रवाई तेज होती है और फसल नुकसान में कमी आती है, तो यह कदम स्वागत योग्य है। कई किसानों का मानना है कि लंबे समय से उनकी समस्या को नजरअंदाज किया जा रहा था और अब सरकार ने कम से कम इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है।

धोनी बोले: उम्र नहीं, फॉर्म तय करेगा वर्ल्ड कप 2027 खेलना

विराट–रोहित के अगले वर्ल्ड कप खेलने पर धोनी की दो टूक

यूनिक समय, नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में अभी करीब दो साल का समय बाकी है, लेकिन भारतीय क्रिकेट फैंस के मन में अभी से एक बड़ा सवाल घूमने लगा है– क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली अगला वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं।

उम्र को लेकर लगातार चल रही बहस के बीच इस मुद्दे पर भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खुलकर और बेबाक राय रखी है।

एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान धोनी ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी खिलाड़ी के चयन में उम्र को नहीं, बल्कि फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा या विराट कोहली को यह बताने का अधिकार किसी को नहीं है कि उन्हें अगला वर्ल्ड कप खेलना चाहिए या नहीं।

धोनी ने कहा, "अगला वर्ल्ड कप कोई क्यों न खेले? उम्र मेरे लिए कभी मापदंड नहीं रही। अगर कोई खिलाड़ी फिट है और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो सिर्फ उम्र के आधार पर उसे टीम से बाहर नहीं किया जा सकता।" उनके मुताबिक, क्रिकेट में अनुभव की अहम भूमिका होती है, खासकर बड़े टूर्नामेंट्स में जहां दबाव बहुत ज्यादा होता है।

पूर्व कप्तान ने आगे कहा कि अगर किसी खिलाड़ी के अंदर देश के लिए खेलने की भूख अब भी कायम है और वह टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार है, तो ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने का कोई कारण नहीं बनता। धोनी का मानना है कि आखिरकार यह फैसला खुद खिलाड़ियों का होना चाहिए कि वे आगे खेलना चाहते हैं या नहीं।

धोनी ने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि अनुभव वाला 20 साल का खिलाड़ी मिलना आसान नहीं होता, जब तक वह सचिन तेंदुलकर जैसा असाधारण प्रतिभाशाली न हो।

गौरतलब है कि हालिया समय में रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों ही शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा ने एक शतक और एक अर्धशतक की बदौलत 202 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने। वहीं विराट कोहली ने शुरुआती असफलताओं के बाद दमदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार अहम पारियां खेलीं।

इन प्रदर्शनों को देखते हुए धोनी की यह टिप्पणी और भी अहम हो जाती है कि अगर फिटनेस और फॉर्म बनी रहती है, तो अनुभव भारतीय टीम के लिए वनडेवर्ल्ड कप 2027 में बड़ी ताकत साबित हो सकता है।

फिल्म 'ईथा' के लिए रणदीप हुड्डा का जबरदस्त बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर अपनी शानदार फिटनेस को लेकर चर्चा में हैं। अपनी आने वाली फिल्म 'ईथा' के लिए उन्होंने वजन बढ़ाया है और उसी नए लुक में जिम से एक मिरर सेल्फी शेयर की है। तस्वीर में रणदीप की टोंड बॉडी और 6 पैक्स साफ नजर आ रहे हैं। सेल्फी सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। किसी ने उनकी फिटनेस की तारीफ की तो किसी ने वजन बढ़ाने–घटाने की उनकी काबिलियत को सलाम किया।

कुछ दिन पहले रणदीप को मुंबई में शूटिंग के दौरान नए मूंछों वाले और भारी–भरकम लुक में देखा गया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। माना जा रहा है कि यह दमदार लुक पूरी तरह फिल्म 'ईथा' के किरदार की मांग है।

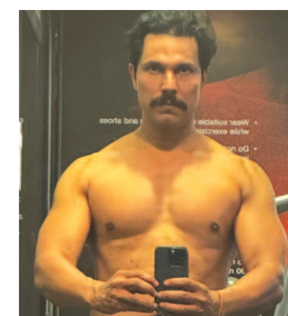

जिम से मिरर सेल्फी ने मचाया सोशल मीडिया पर तहलका

रणदीप हुड्डा अपने रोल्स के लिए शरीर में बड़े बदलाव करने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म 'ईथा' का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रही है और इसका निर्देशन लक्ष्मीकांत उतेकर कर रहे हैं।

आज फिल्मी दुनिया से दूर जी रहे हैं ऐसी जिंदगी

'रामायण' के वो अभिनेता जिसने निभाए 11 किरदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। 1980 के दशक में भारतीय टेलीविजन के इतिहास में रामानंद सागर की 'रामायण' ने जो मुकाम हासिल किया, वह आज भी मिसाल है। 1987 में शुरू हुए इस धारावाहिक ने न सिर्फ धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि इसके कलाकार भी घर–घर पहचाने जाने लगे। अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया और सुनील लहरी जैसे नाम अमर हो गए।

लेकिन इसी 'रामायण' का एक अभिनेता ऐसा भी था, जिसने एक–दो नहीं बल्कि पूरे 11 किरदार निभाए, फिर भी शो खत्म होते ही उसका करियर ठहर गया। यह अभिनेता थे असलम खान।

असलम खान ने 'रामायण' में समुद्र देव समेत कुल 11 अलग–अलग भूमिकाएं निभाईं। उनकी दमदार आवाज और प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें वह पहचान और काम नहीं मिला, जिसकी उनसे उम्मीद की जा रही थी। शो की अपार सफलता के बाद भी असलम खान को लगातार मौके नहीं मिले और धीरे–धीरे वह इंडस्ट्री के हाशिये पर चले गए।

दिलचस्प बात यह है कि असलम खान का सपना कभी अभिनेता बनने का नहीं था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वे प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की तलाश कर रहे थे। अभिनय उनके जीवन में एक संयोग की तरह आया। करियर की शुरुआत उन्होंने 'विक्रम और बेताल' से की, जिसमें अरुण गोविल मुख्य भूमिका में थे। यहीं से उन्हें पौराणिक धारावाहिकों में काम करने का रास्ता मिला।

'रामायण' के बाद असलम खान ने 'अलिफ लैला', 'श्रीकृष्णा', 'सूर्यपुत्र कर्ण', 'मशाल' और 'हवाएं' जैसे सीरियल्स में भी काम किया, लेकिन यह सफलता ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी। सीमित अवसरों और आर्थिक तंगी के चलते उन्होंने साल 2002 में अभिनय की दुनिया को अलविदा कह दिया।

वर्तमान में असलम खान उत्तर प्रदेश के झांसी में रहते हैं और एक मार्केटिंग फर्म में काम कर रहे हैं। कोरोना काल में जब 'रामायण' का दोबारा प्रसारण हुआ, तब दर्शकों ने उन्हें फिर याद किया और यह सवाल उठा कि इतने टैलेंट के बावजूद उन्हें वह मुकाम क्यों नहीं मिल सका।

'घूसखोर पंडत' नाम पर भड़का सोशल मीडिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आने वाली मनोज बाजपेयी की नई फिल्म के फर्स्ट लुक ने रिलीज होते ही विवाद खड़ा कर दिया है। फिल्म के नाम 'घूसखोर पंडत' को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त नाराजगी देखने को मिल रही है। फिल्म का निर्देशन नीरज पांडेय कर रहे हैं और इसमें मनोज बाजपेयी एक घूसखोर पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि कहानी और किरदार को लेकर ज्यादा सवाल नहीं उठे हैं, लेकिन फिल्म का टाइटल लोगों को खासा आपत्तिजनक लगा है। फर्स्ट लुक सामने आने के कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

कई यूजर्स ने नेटफ्लिक्स और फिल्म निर्माताओं पर एक खास समुदाय को बदनाम करने का आरोप लगाया है। कुछ लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर फिल्म का नाम नहीं बदला गया तो वे कानूनी रास्ता अपनाएंगे। एक यूजर ने लिखा कि "पंडित शब्द को घूसखोर से जोड़ना गलत है, टाइटल बदलिए वरना कोर्ट में मिलेंगे।" वहीं एक अन्य ने सवाल उठाया कि क्या किसी और समुदाय के लिए ऐसा नाम रखा जाता तो भी यही रवैया अपनाया जाता। कई लोगों का कहना है कि भ्रष्टाचार किसी व्यक्ति का दोष हो सकता है,

नेटफ्लिक्स को बैन की चेतावनी

उसे किसी जाति या समुदाय से जोड़ना ठीक नहीं है। कुछ यूजर्स ने यहां तक लिख दिया कि अगर नाम नहीं बदला गया तो नेटफ्लिक्स को बैन करने की मुहिम चलाई जाएगी। गौरतलब है कि नेटफ्लिक्स ने हाल ही में कई नई फिल्मों और वेब प्रोजेक्ट्स के टीजर रिलीज किए हैं। इन्हीं में सनी देओल और अक्षय खन्ना की फिल्म 'इक्का' का टीजर भी शामिल था, जिसे लेकर दर्शकों में उत्साह देखा गया। हालांकि इन सबके बीच 'घूसखोर पंडत' का नाम सबसे ज्यादा चर्चा और विवाद का कारण बन गया है। अब देखना होगा कि नेटफ्लिक्स और फिल्म मेकर्स इस विरोध पर क्या रुख अपनाते हैं।

खास क्लब में शामिल होने वाले दुनिया के छठे गेंदबाज बने

टी20 वर्ल्ड कप से पहले आदिल रशीद का बड़ा कारनामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से पहले इंग्लैंड के अनुभवी लेग स्पिनर आदिल रशीद ने इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। श्रीलंका के खिलाफ टी20क सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में एक विकेट लेते उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 150 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही आदिल रशीद यह उपलब्धि हासिल करने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बन गए हैं। पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आदिल रशीद ने चार ओवर में 25 रन देकर एक अहम विकेट चटकाया। इंग्लैंड ने 128 रनों के छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए श्रीलंका को 12 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज 3–0 से अपने नाम की और श्रीलंका के खिलाफ टी20 में लगातार 11वीं जीत दर्ज की।

37 वर्षीय आदिल रशीद ने साल 2009 में टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 137 मैचों में 150 विकेट ले चुके हैं। इस दौरान उनका औसत 23.59 और इकॉनमी रेट 7.44 का रहा है। रशीद के नाम टी20 में चार बार चार विकेट हॉल भी दर्ज है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2021 के टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ आया था, जब उन्होंने सिर्फ दो रन देकर चार विकेट झटके थे।

150 टी20 विकेट पूरे करने के साथ आदिल रशीद दुनिया के उन चुनिंदा गेंदबाजों के क्लब में शामिल हो गए हैं, जिसमें राशिद खान, टिम साउदी, ईश सोढ़ी, मुस्ताफिजुर रहमान और वानिंदु हसरंगा जैसे दिग्गज पहले से मौजूद हैं। टी20 वर्ल्ड कप में भी आदिल रशीद का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अब तक 30 वर्ल्ड कप मैचों में 31 विकेट झटके हैं और वह इंग्लैंड के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। इसके अलावा, कुल टी20 क्रिकेट में रशीद 365 मैचों में 399 विकेट ले चुके हैं और अब 400 विकेट के आंकड़े से सिर्फ एक कदम दूर हैं।

'पापा सॉरी' रोती इमोजी और डायरी का जिक्र

गाजियाबाद में तीन बहनों की सामूहिक आत्महत्या से सनसनी

यूनिक समय, गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले में मंगलवार देर रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। थाना टीला मोड़ क्षेत्र की भारत सिटी सोसाइटी में एक ही परिवार की तीन नाबालिग बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। तीन बेटियों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

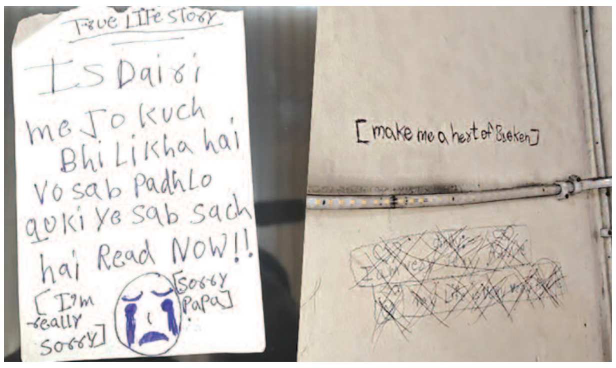

पुलिस को किशोरियों के कमरे से आठ पेज का सुसाइड नोट मिला है, जबकि एक पूरी डायरी को भी कब्जे में लिया गया है। नोट में बहनों ने अपने पिता से माफी मांगी है और लिखा है– "इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, सब पढ़ लेना, क्योंकि वही सच है। आई एम सॉरी, पापा।" नोट में रोती हुई लड़की की एक इमोजी भी बनाई गई है। हालांकि जिस डायरी का जिक्र नोट में किया गया है, उसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

घटना मंगलवार रात करीब दो बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, माता–पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे, जबकि तीनों बहनों ने अपने कमरे की खिड़की से छलांग लगा दी। तीनों की उम्र क्रमशः 16, 14 और 12 वर्ष थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों बहनें पिछले कुछ महीनों से ऑनलाइन टास्क बेस्ड गेम खेल रही थीं और कोरियन कल्चर से काफी प्रभावित थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिता ने बताया कि उस गेम में कुल 50 टास्क थे और मंगलवार को आखिरी टास्क पूरा होना था। पुलिस मोबाइल फोन और डिजिटल गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

डीसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। सुसाइड नोट की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है और सभी पहलुओं पर गहनता से जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

भयानक हादसा: कंटेनर में पीछे से टकराया डंपर, चालक फंसा

पुलिस ने कटर से काटकर चालक को सुरक्षित निकाला

यूनिक समय, आगरा। आगरा–ग्वालियर हाईवे पर बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। सैंया चौराहे के पास घने कोहरे के बीच अचानक ब्रेक लगाने से कंटेनर और पीछे से आ रहे डंपर की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर थाना सैंया की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने कटर की मदद से डंपर की बॉडी काटकर चालक को काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला।

चालक रंजीत सिंह, निवासी मोरवी, गुजरात, टाइल्स लादकर बंगलोर जा रहा था। हादसे में उसे हल्की चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार दोपहर करीब 1 बजे हुई। उस समय हाईवे पर घना कोहरा छाया हुआ था और दृश्यता काफी कम थी। कंटेनर आगरा से ग्वालियर की ओर जा रहा था। सैंया चौराहे से पहले कंटेनर चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे पीछे चल रहे डंपर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हाईवे पर यातायात कुछ समय के लिए धीमा हो गया। पुलिस ने बताया कि समय पर कार्रवाई और चालक की सतर्कता के कारण बड़ा हादसा टल गया। घटना के दृश्य ने राहगीरों को दहशत में डाल दिया। अधिकारी ने कहा कि कोहरे में वाहन चलाते समय अत्यधिक सावधानी बरतना जरूरी है, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

शादी से पहले युवती पर धर्म परिवर्तन का दबाव

यूनिक समय, कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र में एक किशोरी के साथ गंभीर मामला सामने आया है। आरोपी आमिर जैदी ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर ब्लैकमेल किया और लंबे समय तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। जब युवती की शादी तय हुई, तो उसने ससुराल में अश्लील चिट्ठियां बांटकर युवती और उसके परिवार को धमकाया और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की कोशिश की।

मुख्य आरोपी हिरासत में, फरार साथियों की तलाश जारी

युवती ने बताया कि आरोपी ने उसे 16 साल की उम्र में फंसाया और वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर लगातार दुष्कर्म करता रहा। अब जब उसकी उसी जाति के लड़के से शादी फरवरी में होनी है, तो आरोपी अपने साथियों–शनि उर्फ सनी अब्बास, रिजवी और राजा उर्फ अख्तर अंसारी–के साथ मिलकर उसे मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहा है। इसके अलावा आरोपी ने युवती की प्राइवेट फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड करने और हिंदू समाज में अश्लील चिट्ठियां बांटने की धमकी दी। धमकी न मानने पर उसने होने वाले ससुराल के मोहल्ले में अश्लील चिट्ठियां बांट दीं और होने वाले पति को धमकी दी कि "तुम्हारी जान भी जा सकती है," जिससे ससुराल वाले भी डर गए।

मुनव्वर राणा की बेटी को तीन तलाक

यूनिक समय, लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राणा की बेटी हिबा राणा ने अपने पति सैय्यद मोहम्मद साबिक और ससुर हसीब के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। हिबा ने कहा कि शादी के दौरान लाखों रुपये के आभूषण और 10 लाख रुपये नकद दहेज दिए गए थे, लेकिन ससुराल पक्ष ने बाद में अतिरिक्त दहेज–20 लाख रुपये, तीन लाख रुपये और एक प्लॉट–की मांग शुरू कर दी। दहेज न मिलने पर पति और ससुर ने उन्हें बार–बार प्रताड़ित किया, मारपीट की और जान से मारने की धमकियां दीं। अप्रैल 2025 में विवाद के बाद सैय्यद मोहम्मद साबिक ने हिबा को तीन तलाक दे दिया और घर से निकाल दिया। पीड़िता ने सआदतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई।

सआदतगंज थाने में केस दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने पति और ससुर के खिलाफ तीन तलाक, दहेज उत्पीड़न और मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। अधिकारी बता रहे हैं कि पहले आपसी सुलह की कोशिश की गई थी, लेकिन समझौता नहीं हो पाया। फिलहाल पुलिस पीड़िता के बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

मुरादाबाद में पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर कराई पति की हत्या

चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

यूनिक समय, मुरादाबाद। थाना भोजपुर क्षेत्र में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी। मृतक अख्तर अली की पत्नी शबीना ने पुलिस को बताया कि उसका पति अक्सर उसे अपने प्रेमी से मिलने नहीं देता था और घर में मारपीट भी करता था। लगातार परेशान रहने के बाद शबीना ने अपने प्रेमी अल्ताफ के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

घटना 27 जनवरी की बताई जा रही है। उस दिन अख्तर अली कुछ सामान लेने घर से निकला था, लेकिन वह वापस नहीं लौटा। उसके लापता होने पर परिवार ने 28 जनवरी को थाना भोजपुर में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। 30 जनवरी को गांव की नहर में अख्तर का शव मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि उसकी मौत पानी में डूबने से हुई थी। पुलिस ने शुरुआती पूछताछ में शबीना और अल्ताफ को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने पूरी सच्चाई कबूल कर ली।

इसके बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसपी देहात ने बताया कि हत्या में सिर्फ पत्नी और प्रेमी ही नहीं, बल्कि दो अन्य लोग भी शामिल थे। पुलिस आरोपियों से मामले की गहन जांच कर रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में हत्या और साजिश से जुड़ी सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। घटना ने इलाके में सनसनी मचा दी है। पुलिस अभी भी जांच कर रही है कि हत्या में शामिल अन्य दो व्यक्तियों की पहचान और उनके रोल क्या थे।

इसके साथ ही पुलिस ने घटनास्थल और आरोपी के संबंधियों से भी पूछताछ जारी रखी हुई है। इस पूरे मामले ने समाज में घरेलू हिंसा और अवैध संबंधों के खतरों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

लंबित आवास मामलों के निस्तारण के लिए एकमुश्त योजना–2026

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में वर्षों से लंबित आवासीय और व्यावसायिक आवंटन मामलों के त्वरित, मानवीय और न्यायसंगत समाधान के लिए 'एकमुश्त समाधान योजना-2026 (ओटीएस–2026)' लागू करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबित देयों और विवादित मामलों के कारण न केवल सरकारी योजनाओं की प्रगति प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों को भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

प्रक्रिया को यूजर-फ्रेंडली और पूरी तरह ऑनलाइन बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की विकास गति को बनाए रखने के लिए ऐसी समाधान–प्रधान व्यवस्था आवश्यक है, जिससे एक ओर विभाग को राजस्व प्राप्त हो और दूसरी ओर वास्तविक आवंटियों को राहत मिले। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओटीएस–2026 को पूरी तरह जन–केंद्रित, पारदर्शी और व्यावहारिक बनाया जाए, ताकि आम आदमी को इसका सीधा लाभ मिल सके। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में लागू की गई ओटीएस–2020 योजना से बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण हुआ था, लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर सके। विभाग ने प्रदेश के विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में मौजूद डिफॉल्ट और विवादित मामलों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि नई योजना के तहत एकमुश्त भुगतान करने वाले आवंटियों को देयों पर उपयुक्त छूट दी जाए। साथ ही, जरूरतमंदों के लिए किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि योजना के प्रावधान तय करते समय यह ध्यान रखा जाए कि इसका मूल उद्देश्य आम नागरिकों को राहत देना हो। सीएम ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि प्रत्येक आवेदन का निस्तारण तय समय सीमा में किया जाए। इसके साथ ही योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग इससे अवगत होकर लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी और उपयोगकर्ता–अनुकूल हो। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि ओटीएस–2026 लागू होने से हजारों आवंटियों को राहत मिलेगी और आवास विभाग को भी महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त होगा, जिससे प्रदेश के शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

सार संक्षेप

भारत-अमेरिका रिश्तों को नई रफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। ट्रेड डील के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, व्यापार, ऊर्जा, रक्षा, तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। मार्को रूबियो ने इसे भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम कदम बताया।

ऑस्ट्रेलिया में गांधी प्रतिमा चोरी, कांस्य मूर्ति काट ले गए चोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में महात्मा गांधी की आदमकद कांस्य प्रतिमा चोरी होने की शर्मनाक घटना सामने आई है। रोविल स्थित ऑस्ट्रेलियाई भारतीय सामुदायिक केंद्र के बाहर लगी 426 किलो वजनी प्रतिमा को चोर एंगल ग्राइंडर से काटकर ले गया। सीसीटीवी में नकाबपोश चोर सफेद वैन में आते दिखे। विक्टोरिया पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोकसभा में हंगामा आठ विपक्षी सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में भारी हंगामे और स्पीकर के आसन की ओर कागज उछालने की घटना पर कड़ा एक्शन लिया गया है। स्पीकर ओम बिड़ला ने अनुशासनहीनता के आरोप में कांग्रेस और सीपीएम के आठ सांसदों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इससे संसद में सियासी तनाव और बढ़ गया है।

एपस्टीन फाइल पर सवाल से ट्रंप भड़के

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में एपस्टीन फाइल के खुलासों से मचे सियासी भूचाल के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक प्रेस वार्ता में महिला रिपोर्टर पर भड़क गए। एपस्टीन से जुड़े सवाल पर ट्रंप ने रिपोर्टर की पेशेवर क्षमता पर सवाल उठाते हुए उसके चैनल की टीआरपी खराब होने की बात कही। उन्होंने रिपोर्टर को "बेईमान" बताते हुए कहा कि उन्होंने उसे कभी मुस्कुराते नहीं देखा।

पाक रक्षा मंत्री का बड़ा कबूलनामा, बीएलए के आगे बेबस हुई पाक आर्मी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बलूचिस्तान में बीएलए के बढ़ते हमलों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने नेशनल असेंबली में स्वीकार किया कि अत्याधुनिक हथियारों से लैस बलोच लिबरेशन आर्मी के सामने पाकिस्तानी सेना प्रभावी मुकाबला करने में सक्षम नहीं है।

ट्रेड डील पर शशि थरूर का हमला, सरकार से मांगी पूरी पारदर्शिता

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर केंद्र सरकार से स्पष्ट जानकारी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि टैरिफ में कमी सकारात्मक हो सकती है, लेकिन सरकार को सौदे के सभी पहलू सार्वजनिक करने चाहिए।

दुनिया देखेगी भारत के 'विक्रांत' की ताकत

अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू में दिखेगा नौसेना का दमखम

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की समुद्री शक्ति का प्रतीक स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी ताकत का प्रदर्शन करने जा रहा है। 18 फरवरी से विशाखापत्तनम में शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू (आईएफआर) में 60 से अधिक देशों की नौसेनाएं हिस्सा लेंगी। इस भव्य आयोजन में आईएनएस विक्रांत सबकी निगाहों का केंद्र रहेगा, जिसने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई थी।
रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर में विक्रांत कैरियर बैटल ग्रुप भारतीय नौसेना की आक्रामक रणनीति की रीढ़ साबित हुआ। उत्तरी अरब सागर में इसकी तैनाती से पाकिस्तान नौसेना को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर होना पड़ा, जिससे तनाव की स्थिति नियंत्रित हुई। अब यह अत्याधुनिक पोत बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू के लिए रवाना होगा, जहां दुनिया भारत की समुद्री ताकत को नजदीक से देखेगी। अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू एक प्रतिष्ठित नौसैनिक आयोजन है, जिसमें विभिन्न देश अपने युद्धपोत, पनडुब्बियां और नौसैनिक विमान प्रदर्शित करते हैं। इस अवसर पर भारत के राष्ट्रपति, सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में, नौसैनिक बेड़े का निरीक्षण करते हैं। यह आयोजन समुद्री सहयोग, विश्वास और सामरिक एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। आईएनएस विक्रांत 262.5 मीटर लंबा और 61.6 मीटर चौड़ा है, जिसका वजन लगभग 45 हजार टन है। 28 नॉट्स की अधिकतम गति वाला यह पोत करीब 1,600 नौसैनिकों को समायोजित कर सकता है।
इसके डेक पर मिग-29 जैसे लड़ाकू जेट और आधुनिक हेलिकॉप्टरों सहित लगभग 30 विमान तैनात किए जा सकते हैं। भारत के पहले विमानवाहक पोत के नाम पर रखा गया यह नया विक्रांत आत्मनिर्भर भारत और मजबूत नौसेना की पहचान बन चुका है। आईएफआर के साथ ही विशाखापत्तनम में मिलन-26 बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास का आयोजन भी होगा, जिससे वैश्विक नौसेनाओं के बीच सहयोग और तालमेल और मजबूत होगा।

गुफा बनी मौत का ठिकाना

जम्मू-कश्मीर: संयुक्त ऑपरेशन में जैश के दो आतंकी ढेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षाबलों को आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। बसंतगढ़ इलाके में चल रहे संयुक्त ऑपरेशन के दूसरे दिन जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकियों में संगठन का एक कमांडर भी शामिल है, जिसकी पहचान मावी के रूप में हुई है। यह दोनों आतंकी एक गुफा में छिपे हुए थे, जहां से वे सुरक्षाबलों पर लगातार फायरिंग कर रहे थे।
मंगलवार को रामनगर और बसंतगढ़ के बीच स्थित दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र चिगला बलोता में आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षाबल आगे बढ़े, जगरेडा क्षेत्र के घने जंगल में छिपे आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ छिड़ गई। आतंकियों के गुफा में छिपे होने की पुष्टि होने पर सुरक्षाबलों ने रणनीति के तहत गुफा के प्रवेश द्वार को विस्फोटक से उड़ा दिया।
इसके बाद दोनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया। पूरे ऑपरेशन के दौरान क्षेत्र में हाई अलर्ट रहा और अतिरिक्त बलों को भी तैनात किया गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर के अनुसार यह संयुक्त अभियान खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया था, जिसे 'ऑपरेशन केया' नाम दिया गया। इस कार्रवाई को आतंकी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

ममता बनर्जी ने घुसपैठ पर केंद्र को ठहराया जिम्मेदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी केंद्र की है, लेकिन अब उसका ठीकरा राज्य पर फोड़ा जा रहा है।
ममता बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर के पहले चरण में चुनाव आयोग ने करीब 58 लाख नाम वोटर लिस्ट से एकतरफा हटा दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को फॉर्म-6 भरकर अपनी नागरिकता साबित करने का मौका तक नहीं दिया जा रहा। मुख्यमंत्री के अनुसार, कई ऐसे लोग हैं जो जीवित हैं, लेकिन उन्हें मृत दिखाकर सूची से हटा दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि वर्ष 2002 में बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया हुई थी, लेकिन उसके 24 साल बाद चुनाव से ठीक पहले इसे दोबारा क्यों लागू किया जा रहा है।
ममता बनर्जी ने कहा कि फरवरी के महीने में यह प्रक्रिया शुरू होना संदेह पैदा करता है और इसके पीछे राजनीतिक मंशा नजर आती है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग को छह पत्र लिखे, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि बंगाल में लाखों लोग इस प्रक्रिया के शिकार हैं और उनकी आवाज को नजरअंदाज किया जा रहा है।

टॉफी समझकर बारूद चबाने से बच्ची का जबड़ा फटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के अलवर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। चौकी बास गांव में टॉफी लेने गई तीन वर्षीय बच्ची के साथ ऐसा हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया। बच्ची अक्शु अपनी बड़ी बहन के साथ किराना दुकान पर गई थी, जहां दुकानदार ने कथित तौर पर टॉफी की जगह बारूद से भरी पटाखेनुमा पुड़िया दे दी। जैसे ही बच्ची ने उसे मुंह में डालकर चबाया, तेज विस्फोट हो गया। धमाके से बच्ची का जबड़ा और गाल बुरी तरह फट गए और वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। परिजन तुरंत उसे अलवर के निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल बच्ची खतरे से बाहर है। बच्ची की चाची की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी दुकानदार को हिरासत में ले लिया है।

लोकसभा से निलंबित कांग्रेस सांसदों का मकर द्वार पर प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा से निलंबित किए गए कांग्रेस के आठ सांसदों ने बुधवार को संसद भवन के मकर द्वार के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने अपने निलंबन को अनुचित और अलोकतांत्रिक बताते हुए सरकार और सदन की कार्यवाही के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी अपने पार्टी सांसदों के समर्थन में उनके साथ खड़ी नजर आईं।
हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद जैसे ही सांसद बाहर आए, कांग्रेस के कई अन्य नेता भी निलंबित सदस्यों के साथ विरोध में शामिल हो गए। मकर द्वार पर कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी से राजनीतिक माहौल और गर्मा गया। सांसदों का कहना था कि उनकी आवाज को दबाने के लिए उन्हें निलंबित किया गया है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

प्रियंका गांधी भी धरने में हुईं शामिल

गौरतलब है कि मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आसन की ओर अभद्र व्यवहार करने के आरोप में कांग्रेस के आठ सांसदों को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया था। इस कार्रवाई के बाद से ही कांग्रेस लगातार हमलावर रुख अपनाए हुए है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी मंगलवार को संसद परिसर में निलंबित सांसदों के साथ प्रदर्शन कर उनका समर्थन किया था। राहुल गांधी ने निलंबन को विपक्ष की आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया था।

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी से बढ़ी ठंड

पांच फरवरी की रात से फिर बदलेगा मौसम

यूनिक समय, शिमला। हिमाचल प्रदेश में ताजा बारिश और बर्फबारी के चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। एक ओर जहां कुफरी और कल्पा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुई बर्फबारी ने सर्दियों की खूबसूरती बढ़ा दी है, वहीं दूसरी ओर बारिश और कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार किन्नौर जिले के कल्पा में सबसे अधिक 10.8 सेंटीमीटर बर्फबारी रिकॉर्ड की गई, जबकि कुफरी में एक सेंटीमीटर बर्फ गिरी। इसके अलावा जोट, गोंडला और संगला में भी हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। राज्य के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। जोगिंदरनगर में सबसे ज्यादा 9 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि मनाली और पालमपुर में 8 मिलीमीटर, भुंतर और सेओबाग में 5.4 मिलीमीटर तथा शिमला में 1.2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। शिमला में ओलावृष्टि भी हुई, जबकि कांगड़ा, भुंतर और जोत में गरज-चमक के साथ बारिश दर्ज की गई। बिलासपुर, मंडी और सुंदरनगर में घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही, जिससे सुबह के समय यातायात प्रभावित हुआ।

13 साल के बच्चे ने बचाई मां और भाई-बहन की जान

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पश्चिम तट से एक दिल को छू लेने वाली और हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां 13 वर्षीय ऑस्टिन एपलबी ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए अपनी मां और छोटे भाई-बहन की जान बचाई। तेज हवाओं और उफनती समुद्री लहरों के बीच फंसा यह परिवार समुद्र में डूबने की कगार पर था। हालात बिगड़ते देख ऑस्टिन ने अपनी जान की परवाह किए बिना मदद लाने का फैसला किया। जानकारी के अनुसार, पर्थ से आए इस परिवार ने समुद्र में कयाक और पैडलबोर्ड्स पर सैर की थी। अचानक मौसम खराब हो गया और तेज लहरों ने उन्हें बहा दिया। कयाक में पानी भरने लगा, जिसके बाद ऑस्टिन उसे छोड़कर करीब चार किलोमीटर तक खतरनाक लहरों के बीच तैरता रहा। करीब चार घंटे की जद्दोजहद के बाद वह किसी तरह तट तक पहुंचा और तुरंत अधिकारियों को सूचना दी।

साइबर ठगों के निशाने पर परीक्षार्थी

सचिव ने सभी जिलों के डीआईओएस को लिखा पत्र

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/प्रयागराज। सावधान.. अब साइबर ठगों के निशाने पर यूपी बोर्ड के इंटरमीडिएट और हाईस्कूल के परीक्षार्थी हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं कि बल्कि फेसबुक पर दिखाई देने वाला फर्जी अकाउंट संकेत दे रहा है। साइबर ठगों ने माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के नाम से मिलता–जुलता नाम रखकर कई फर्जी अकाउंट बना लिए है। इस मामले को माध्यमिक शिक्षा परिषद ने गंभीरता से लिया है। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सचिव ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को पत्र लिखकर कहा कि अपने–अपने जिलों के सभी विद्यालयों को सतर्क करें। निर्देशित किया कि परिषद से संबंधित किसी भी सूचना के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट एवं सत्यापित सोशल मीडिया अकाउंट्स का ही उपयोग करें। किसी भी प्रकार के मिलते–जुलते या संदिग्ध अकाउंट से जुड़ने से बचें। सचिव ने पत्र में कहा है कि यदि परिषद के नाम, लोगो अथवा पहचान से मिलते–जुलते किसी भी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी मिलती है तो उसकी तुरंत रिपोर्ट तैयार कर परिषद को सूचित किया जाए। साथ ही संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी ऐसे अकाउंट को रिपोर्ट की जाए। माध्यमिक शिक्षा परिषद के पास फेसबुक पेज, व्हाट्सएप अकाउंट, एक्स (ट्विटर) हैंडल एवं इंस्टाग्राम अकाउंट जैसे आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मौजूद हैं। हाल ही में परिषद के एक अधिकारी की नजर फेसबुक पर बने एक संदिग्ध पेज पर पड़ी, जिसे माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के नाम से संचालित किया जा रहा था। इस पेज पर करीब 6500 फॉलोअर्स भी जुड़े हुए हैं। परिषद के सचिव ने बताया कि मामले की जांच कराई तो कई अन्य संदिग्ध और फर्जी अकाउंट मिले हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद के नाम और लोगो से मिलते–जुलते फर्जी फेसबुक पेज, व्हाट्सएप अकाउंट, हैंडल एवं इंस्टाग्राम अकाउंट बनाए गए हैं, जिनके जरिए अपुष्ट और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित किए जाने की संभावना बनी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि इनके माध्यम से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों के साथ–साथ विद्यालयों को भी साइबर ठगी का शिकार बनाया जा सकता है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के नाम से सोशल मीडिया पर कई फर्जी अकाउंट

फेसबुक पर परिषद के नाम से एक फर्जी अकाउंट पर हैं 6500 फॉलोअर्स

फतेहपुर सीकरी में बढ़ते सूक्ष्म धूल कणों पर अलार्म

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। ताज ट्रिपेजियम जोन के एसपीएम प्रकोप से सबसे अधिक प्रभावित फतेहपुर सीकरी नगर पालिका परिषद है, जो न कि प्रदूषणकारी है अपितु जनस्वास्थ्य घातक भी। यह कहना है परिषद की अध्यक्ष श्रीमती शबनम मा. इस्लाम का है। उन्होंने कहा है कि हालांकि संपूर्ण ताज ट्रिपेजियम जोन में वायु प्रदूषण से खतरा है लेकिन फतेहपुर सीकरी नगर पालिका परिषद क्षेत्र और उसकी सीमा से लगे ग्रामीण पर राजस्थान की ओर आने वाली धूल भरी हवाओं सबसे अधिक प्रत्यक्ष प्रकोप होता है। उन्होंने कहा है कि वायु प्रदूषण में सबसे अधिक योगदान 2.5 माईकोन (2.5) या उससे छोटे पार्टिकुलेट मैटर का होता है, जो कि प्रचलित मान्यता के अनुसार श्वांस के साथ मानव शरीर में पहुंच कर फेफड़ों से संबंधित बीमारियों सहित अन्य मानव स्वास्थ्य प्रतिकूल स्थितियां उत्पन्न करते हैं। श्रीमती शबनम मा.इस्लाम ने ताज ट्रिपेजियम जोन अथॉरिटी के चेयरमैन (मंडलायुक्त आगरा) को पत्र लिख कर उन्होंने अनुरोध किया है कि हरित क्षेत्र की सघनता और विस्तार से स्थितियां बेहतर हो सकती हैं किंतु इसके लिये फतेहपुर सीकरी के भूजल स्तर की स्थिति में सुधार के लिये प्रभावी कदम उठाये जाना जरूरी है। भूजल विभाग से इसके लिये कार्यनीति बनवायी जाये। उन्होंने कहा है कि फतेहपुर सीकरी के तेरहमोरी बांध की

शबनम ने जलसंचय की जरूरत पर बल दिया

क्षेत्र में जलस्तर गिरावट थामने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जब से बांध के गेट क्षतिग्रस्त और असंचालित स्थिति में लाकर उपेक्षित कर दौड़े हुए हैं, हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। पूरी क्षेत्र हैंडपंप शून्य हो चुका है। सिविल सोसाइटी ऑफ आगरा के सेक्रेटरी अनिल शर्मा ने कहा है कि सोसायटी फतेहपुर सीकरी नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती शबनम मा.इस्लाम के विचारों से सहमत है और उनके द्वारा ताज ट्रिपेजियम जोन प्राधिकरण के चेयरमैन के संज्ञान में समस्या लाया जाना सामायिक आवश्यकता मानती है।

श्री शर्मा ने बताया कि फतेहपुर सीकरी क्षेत्र की बौद्धिक पहचान पाराशर(अकबर के हिन्दू पुरोहित) फतेहपुर सीकरी नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष इस्लाम, पत्रकार राजेन्द्र शुक्ला, डाबर गांव के पूर्व प्रधान धर्म सिंह महोरा, असलम सलीमी आदि के साथ भी संवाद किया। सभी का मानना था कि तेरहमोरी बांध में भरतपुर (राजस्थान) के अजान बांध के डाउन के कैचमेंट एरिया का भरपूर पानी उपलब्ध होता है, साथ ही फतेहपुर सीकरी रिज एरिया की भरपूर जलराशि तेरह मोरी बांध पहुंचती है किंतु बांध के गेट और स्ट्रक्चर की मरम्मत न होने से जो भी जलराशि पहुंचती है,बह जाती है। फलस्वरूप मानसून खत्म होते ही क्षेत्र सूखाग्रस्त समतुल्य हो जाता है।

एनएच–19 पर जैंत में एलिवेटेड फ्लाईओवर की मांग

तीर्थ यात्रियों व ग्रामीणों को हो रही भारी परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक गांव जैत में एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण की मांग काफी समय से कर रहे है। सामाजिक कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश बृजवासी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को लिखे पत्र में कहा है कि जैंत तुलसी वन (वृंदावन) के नाम से प्रसिद्ध है और तुलसी की खेती व कंठी-माला के लिए देशभर में जाना जाता है। यह ब्रज का प्रमुख तीर्थ स्थल भी है, जहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। जैंत एनएच-19 पर लगभग तीन से साढ़े तीन किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां भक्ति वेदांत तिराहा, महाराणा प्रताप चौक, जयकुण्ड चौक, मंशा देवी चौक, वृंदावन चौक और वृंदा पथ तिराहा जैसे छह प्रमुख लिंक मार्ग हैं। जयकुण्ड, कालिया मर्दन सिद्धपीठ, बृज चौरासी कोस परिक्रमा, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन जाने वाले श्रद्धालु इसी मार्ग से गुजरते हैं। एक साथ सैकड़ों वाहन आने से जाम, अव्यवस्था और दुर्घटनाओं की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एलिवेटेड ब्रिज न होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।

जैंत को बेस्ट टूरिज्म विलेज अवॉर्ड भी मिल चुका है, इसके बावजूद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मांग की गई है कि पीली कोठी से पुलिस स्टेशन तक दो से ढाई किलोमीटर लंबा एलिवेटेड फ्लाईओवर या चैनेज 131.300 और 132 पर दो फ्लाईओवर स्वीकृत किए जाएं, ताकि जैंत के पौराणिक महत्व की रक्षा हो सके और जनता को राहत मिले।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवकों को रौंदा, दो की मौत

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना ताजगंज क्षेत्र में मंगलवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर ग्राम पलिया के निकट उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, मृतकों की शिनाख्त मनीष (19) पुत्र रामेश्वर कुशवाह और ज्ञानी (18) पुत्र भगवान सिंह के रूप में हुई है। दोनों युवक मंगलवार की रात करीब नौ बजे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे। जैसे ही वे आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर पलिया गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज गति की कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि

शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे

बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

आर्यन के दमदार प्रदर्शन से सीएई मथुरा सेमीफाइनल में पहुंची

यूनिक समय, मथुरा। छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल आगरा के मैदान पर आयोजित फर्स्ट शांतिनिकेतन अंडर–15 कप के लीग मैच में क्रिकेट अकेडमी फॉर एक्सीलेंस (सीएई) मथुरा ने टाइटंस क्रिकेट अकेडमी आगरा को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच में सीएई मथुरा के कप्तान अंकुल धनगर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। टाइटंस आगरा की टीम 32 ओवरों में 120 रन पर ऑलआउट हो गई। दिव्यांश चौधरी ने 43 और आदित्य कुमार ने 34 रन बनाए। सीएई मथुरा की ओर से आर्यन तोमर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 8 ओवर में मात्र 6 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि वीर प्रताप ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएई मथुरा ने 31 ओवरों में 5 विकेट खोकर 121 रन बनाकर मैच जीत लिया। आर्यन तोमर ने 46 और अनमोल अग्रवाल ने 30 रन की अहम पारी खेली। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए आर्यन तोमर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बाजार में गिफ्ट की दुकानें सजी, ग्राहकों का इंतजार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनाब अपनी मुहब्बत की दुनिया से बाहर निकलकर गौर फरमाइये कि प्यार का महीना यानी फरवरी शुरू हो चुका है, यह वही महीना है, जिसमें मौसम में प्यार का रंग घुल जाता है और माहौल खुशनुमा हो जाता है। इस महीने में पूरी दुनिया का हर शख्स प्यार के रंग में रंग जाता है। फरवरी के महीने में 14 फरवरी को पड़ने वाले 'वैलेंटाइन डे' को प्यार के दिन के रूप में पूरी दुनिया सेलिब्रेट करती है। प्यार का यह जश्न एक–दो नहीं बल्कि पूरे सात दिनों तक चलता है। अगर आप भी अपने प्यार का इजहार करना चाहते हैं, तो ये सात दिन आपके लिए बेस्ट हो सकते हैं। अब ऐसा नहीं है कि जो अपने प्यार को हासिल कर चुके हैं वो इसे नहीं मनाएं। अपने प्यार में ताजगी और रस घोलने के लिए इसे सेलिब्रेट कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आपको यह पता होना जरूरी है कि इस हफ्ते में कौन सी तारीख पर कौन सा डे सेलिब्रेट किया जाता है। 7 फरवरी को रोज डे प्यार की बात हो और गुलाब का जिक्र ना हो, ऐसा हो नहीं सकता। प्यार के प्रतीक के रूप में देखे जाने वाले गुलाब को एक–दूसरे को देने से ही वैलेंटाइन वीक की शुरुआत होती है। दरअसल, वैलेंटाइन वीक का सबसे पहला दिन रोज डे होता है। इस दिन आप उस शख्स को लाल गुलाब दे सकते हैं, जिससे आप मोहब्बत करते हैं। 8 फरवरी को वैलेंटाइन वीक का दूसरा दिन प्रपोज डे होता है। इस दिन आप उस शख्स से अपने प्यार का इजहार कर सकते हैं, जिसे आप अपना पार्टनर बनाना चाहते हैं। 9 फरवरी को चॉकलेट डे। वैलेंटाइन वीक का तीसरा दिन चॉकलेट देकर सेलिब्रेट किया जाता है। इसलिए उसे चॉकलेट डे कहा जाता है। इस दिन कपल्स एक–दूसरे को खास चॉकलेट्स या चॉकलेट से बनी डिश देकर अपने रिश्ते में मिठास घोल सकते हैं। 10 फरवरी को टेडी डे। सॉफ्ट टॉयज खास तौर पर टेडी बियर महिलाओं को बहुत पसंद होते हैं। अगर उन्हें कोई टेडी गिफ्ट करें तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है और वह खुश हो जाती हैं। ऐसे में इस हफ्ते का चौथा दिन टेडी डे के रूप में मनाया जाता है। आप टेडी सिर्फ और सिर्फ अपने पार्टनर को नहीं बल्कि अपने दोस्तों को भी दे सकते हैं। 11 फरवरी को प्रॉमिस डे पर किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक–दूसरे से वादा करना बहुत जरूरी है। वैलेंटाइन वीक का पांचवां दिन प्रॉमिस डे के तौर पर सेलिब्रेट जाता है। इस दिन सभी कपल्स एक–दूसरे को प्यार करने और उनका हर संभव साथ देने का वादा कर सकते हैं। 12 फरवरी को हग डे पर किसी को आप कितना प्यार करते हैं, उसे दिखाने के यूं तो कई तरीके होते हैं, लेकिन सबसे प्यारा तरीका किसी को गले लगाना यानी हग करना माना जाता है। आप हग डे यानी वैलेंटाइन वीक के छठे दिन अपने पार्टनर को गले लगाकर प्यार का इजहार कर सकते हैं। 13 फरवरी को किस डे पर वैलेंटाइन वीक का 7वां दिन किस डे के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन आप अपने पार्टनर को माथे पर या हाथ पर किस करके उसे अपने दिल में छिपे प्यार के बारे में बता सकते हैं। 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर सात दिनों तक अलग–अलग तरह अपने प्यार का इजहार करने के बाद अब आप जिस पड़ाव पर आ पहुंचे हैं वह वैलेंटाइन डे है। 14 फरवरी को मनाया जाने वाला वैलेंटाइन डे कपल्स ज्यादातर एक–दूसरे के साथ सेलिब्रेट करना चाहते हैं। यह वह दिन होता है, जिस दिन आप अपने अपने पार्टनर को हर तरह से स्पेशल फील करा सकते हैं, या अगर आप उसे प्रपोज नहीं कर पाए हैं तो वह भी कर सकते हैं। अपने पार्टनर्स के लिए यह दिन हर तरह से खास बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

आगरा एवं मथुरा जंक्शन पर पार्किंग ठेकों का पुनः आवंटन

यूनिक समय, आगरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अंकित गुप्ता के निर्देशन में आगरा मंडल ने यात्री सुविधा एवं राजस्व वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत पार्किंग ठेकों का पुनः आवंटन किया। आगरा मंडल में वर्तमान में 04 आगरा छावनी स्टेशन (02 मिक्स पार्किंग, 01 कार पार्किंग एवं 01 बस एवं रेडियो कैब टेक्सी पार्किंग), 04 मथुरा जं. स्टेशन (01 मिक्स पार्किंग प्रथम प्रवेश द्वार पर, 01 मिक्स पार्किंग द्वितीय प्रवेश द्वार पर, 01 मिक्स पार्किंग तृतीय प्रवेश द्वार पर एवं 01 बस, रेडियो कैब टेक्सी एवं ऑटो पार्किंग स्टैण्ड पार्किंग), 02 आगरा किला स्टेशन (01 मिक्स पार्किंग किला साइड पर एवं 01 मिक्स पार्किंग पार्सल कार्यालय के समीप पर) तथा 01 ईदगाह स्टेशन (01 मिक्स पार्किंग द्वा–04 की तरफ) पर कुल 11 पार्किंग संचालित है। जिसके द्वारा लगभग रु. 2.10 करोड़ के रूप में वार्षिक आय प्राप्त किया जाता है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053